Rajasthan Board Class 12 Arts Syllabus

विवरणिका कक्षा-12, परीक्षा-2019	20

अर्थशास्त्र

विषय कोड–10

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

प्रथम खण्ड – व्यष्टि अर्थशास्त्र

पूर्णांक–80

अंकभार

1. परिचय **5**

2. उपभोक्ता का व्यवहार **12**

(i) उपभोक्ता का संतुलन

(ii) मांग की अवधारणा

(iii) मांग की लोच

3. उत्पादक का व्यवहार **12**

(i) पूर्ति की अवधारणा

(ii) उत्पादन फलन

(iii) उत्पादन की अवधारणा

(iv) लागत की अवधारणा

(v) आगम की अवधारणा

(vi) फर्म का संतुलन

4. बाजार के स्वरूप एवं कीमत निर्धारण **11**

(i) पूर्ण प्रतियोगिता

(ii) बाजार के अन्य स्वरुप

(iii) बाजार सन्तुलन

द्वितीय खण्ड – समष्टि अर्थशास्त्र

5. राष्ट्रीय आय की अवधारणाएं **11**

(i) राष्ट्रीय आय की मूल अवधारणाएं

(ii) राष्ट्रीय आय से सम्बन्धित समुच्चय

(iii) राष्ट्रीय आय का मापन

6. मुद्रा एवं बैंकिंग **10**

(i) मुद्रा का अर्थ एवं कार्य

(ii) व्यापारिक बैंक का अर्थ एवं कार्य

(iii) केन्द्रीय बैंक के कार्य साख नियंत्रण

7. आय व रोजगार का निर्धारण **10**

(i) उपभोग फलन, बचत फलन एवं निवेश फलन

(ii) आय – उत्पादन का निर्धारण

(iii) अधि मांग व न्यून मांग की अवधारणा

8. बजट व अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की अवधारणा **7**

(i) सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की अवधारणाएं

9. नकदविहीन लेनदेन **2**

व्यष्टि अर्थशास्त्र

इकाई–I परिचय **5**

व्यष्टि अर्थशास्त्र एवं समष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ, वास्तविक अर्थशास्त्र एवं आदर्शात्मक अर्थशास्त्र का अर्थ, अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएं : क्या, कैसे और किसके लिए उत्पादन ? उत्पादन संभावना वक्र, अवसर लागत एवं सीमान्त अवसर लागत की अवधारणा।

इकाई–II उपभोक्ता का व्यवहार **12**

(1) उपभोक्ता का संतुलन : उपयोगिता विश्लेषण, उपयोगिता का अर्थ एवं प्रकार, सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम, सम–सीमान्त उपयोगिता नियम, सीमान्त उपयोगिता विश्लेषण में उपभोक्ता के सन्तुलन की शर्तें, तटस्थता वक्र विश्लेषण एवं उपभोक्ता का संतुलन।

(2) मांग की अवधारणा : मांग, बाजार मांग, मांग अनुसूची, मांग वक्र, मांग के निर्धारक तत्व, मांग मात्रा में परिवर्तन एवं मांग में परिवर्तन, मांग का नियम (विस्तृत व्याख्या)

(3) मांग की कीमत लोच : मांग की कीमत लोच का अर्थ, श्रेणियों, मांग की कीमत लोच का मापन –

(अ) प्रतिशत विधि

(ब) कुल व्यय विधि

(स) ज्यामितीय विधि (रेखीय मांग वक्र के संदर्भ में) मांग की लोच के निर्धारक घटक

इकाई–III उत्पादक का व्यवहार **12**

(1) पूर्ति की अवधारणा – पूर्ति , बाजार पूर्ति, पूर्ति अनुसूची, पूर्ति वक्र, पूर्ति के निर्धारक तत्व , पूर्ति मात्रा में परिवर्तन एवं पूर्ति में परिवर्तन, पूर्ति का नियम (विस्तृत व्याख्या)

(2) उत्पादन फलन – उत्पादन का अर्थ, स्थिर एवं परिवर्तनशील साधन, उत्पादन फलन का अर्थ व प्रकार , अल्पकालीन उत्पादन फलन उत्पादन का अर्थ, उत्पादन की अवधारणाएँ – कुल उत्पाद, सीमान्त उत्पाद एवं औसत उत्पाद, परिवर्तनशील अनुपातों का नियम व कारण , विवेक पूर्ण उत्पादन की अवस्था

(3) लागत की अवधारणाएं – लागत का अर्थ, प्रकार (स्पष्ट एवं अस्पष्ट लागते, निजी एवं सामाजिक

लागत, मौद्रिक एवं वास्तविक लागत) अल्पकालीन लागत, वक्र :– कुल लागत, कुल स्थिर लागत, कुल परिवर्तनशील लागत, औसत स्थिर लागत, औसत परिवर्तनशील लागत, सीमान्त लागत का अर्थ एवं अल्पकालीन लागत वक्रों के अर्न्तसम्बन्ध।

(4) आगम की अवधारणाएं – अर्थ, प्रकारः– कुल आगम, औसत आगम एवं सीमान्त आगम के अर्थ एवं सम्बन्ध, औसत आगम व कीमत में सम्बन्ध, विभिन्न बाजार स्थितियों में आगम वक्र।

(5) उत्पादक का सन्तुलन – अर्थ एवं शर्तेः– 1. कुल आगम व कुल लागत विधि 2. सीमान्त आगम व सीमान्त लागत विधि।

इकाई–IV बाजार के स्वरूप एवं कीमत निर्धारण 11

(1) पूर्ण प्रतियोगी बाजार – बाजार का अर्थ, प्रकार, पूर्ण प्रतियोगिता का अर्थ एवं विशेषताएँ

(2) बाजार के अन्य स्वरुप –एकाधिकार, एकाधिरात्मक प्रतियोगिता (अपूर्ण प्रतियोगिता) एवं अल्पाधिकार का अर्थ एवं विशेषताएँ।

(3) बाजार सन्तुलन –साम्य कीमत , साम्य मात्रा, एवं बाजार सन्तुलन का निर्धारण, मांग व पूर्ति में परिवर्तन का बाजार सन्तुलन पर प्रभाव।

समष्टि अर्थशास्त्र

इकाई–V राष्ट्रीय आय की अवधारणाएं 11

(1) राष्ट्रीय आय की मूल अवधारणाएं– स्टॉक एवं प्रवाह की अवधारणा, आय के चक्रीय प्रवाह का अर्थ द्विक्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में उपभोग वस्तुएँ एवं पूँजीगत वस्तुएँ, अन्तिम वस्तुएँ एवं मध्यवर्ती वस्तुएँ, सकल एवं शुद्ध निवेश एवं मूल्यह्रास, घरेलू सीमा एवं सामान्य निवासियों की अवधारणा, विदेशों से प्राप्त विशुद्ध साधन आय की अवधारणा, विशुद्ध परोक्ष कर की अवधारणा।

(2) राष्ट्रीय आय से सम्बन्धित समुच्चय – सकल एवं विशुद्ध घरेलू उत्पाद, सकल एवं विशुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (बाजार मूल्य एवं साधन लागत पर), राष्ट्रीय प्रयोज्य आय, (सकल व विशुद्ध) निजी आय, वैयक्तिक आय एवं वैयक्तिक प्रयोज्य आय, प्रति व्यक्ति आय की अवधारणा।

(3) राष्ट्रीय आय का मापन – मूल्य वर्धित विधि, आय विधि एवं व्यय विधि, राष्ट्रीय आय व आर्थिक कल्याण में सम्बन्ध।

इकाई–VI मुद्रा एवं बैंकिंग 10

(1) मुद्रा – वस्तु विनिमय का अर्थ एवं कठिनाईयाँ, मुद्रा का अर्थ व कार्य

(2) व्यापारिक बैंक – अर्थ, कार्य एवं साख निर्माण की प्रकिया

(3) केन्द्रीय बैंक – अर्थ, कार्य, साख, नियन्त्रण की विधियाँ (भारतीय रिर्जव बैंक के संदर्भ में)

इकाई–VII आय व रोजगार का निर्धारण 10

1. उपभोग फलन, बचत फलन एवं निवेश फलन की अवधारणाः–उपभोग फलन, उपभोग प्रवृति, बचत फलन, बचत प्रवृति व निवेश फलन की अवधारणाएँ
2. आय – उत्पादन का निर्धारण – समग्र मांग व समग्र पूर्ति की अवधारणाएँ, आय के सन्तुलन स्तर का निर्धारण, निवेश गुणक की अवधारणा
3. अधि मांग एवं न्यून मांग की अवधारणा – अर्थ, समग्र मांग व समग्र पूर्ति के संदर्भ में अधिमांग व न्यून मांग की व्याख्या, नियन्त्रण के उपाय (मौद्रिक एवं राजकोशीय उपाय)

इकाई–VIII बजट व अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की अवधारणा 7

(1) सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था – बजट का अर्थ, उद्देश्य और घटक, राजस्व प्राप्तियाँ एवं पूँजीगत प्राप्तियाँ, राजस्व व्यय एव पूँजीगत व्यय, बजट घाटे की अवधारणाएँ– राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा एवं प्राथमिक घाटा,

(2) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की अवधारणाएं – अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार का अर्थ , व्यापार सन्तुलन एवं भुगतान सन्तुलन की अवधारणा, विदेशी विनिमय दर का अर्थ एवं मांग व पूर्ति द्वारा विनिमय दर का निर्धारण, मुद्रा का अवमूल्यन व अधिमूल्यन,

5. नकदविहीन लेनदेन इकाई–IX 2

निर्धारित पुस्तक–

अर्थशास्त्र – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर।

राजनीति विज्ञान

विषय कोड–11

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

खण्ड (अ) राजनीति विज्ञान की मूल अवधारणाएँ

इकाई–I प्रमुख अवधारणाएँ– 10 अंक

1. न्याय
2. शक्ति, सत्ता, वैधता
3. धर्म
4. स्वतंत्रता एवं समानता

इकाई–II आधुनिक राजनीतिक अवधारणाएँ– 10 अंक

1. राजनीतिक समाजीकरण
2. राजनीतिक संस्कृति
3. राजनीतिक सहभागिता

इकाई–III राजनीतिक विचारधाराएँ– 10 अंक

1. उदारवाद
2. समाजवाद
3. मार्क्सवाद
4. गाँधीवाद

इकाई–IV भारतीय राजनीति के उभरते आयाम – 10 अंक

1. नियोजन और विकास, नीति (NITI) आयोग
2. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन
3. भारत और वैश्वीकरण
4. नवीन सामाजिक आन्दोलन– महिला आन्दोलन, पर्यावरण संरक्षण आन्दोलन
5. सामाजिक और आर्थिक न्याय एवं महिला आरक्षण

खण्ड (ब) भारत में शासन व लोकतंत्र

इकाई–V भारत का संविधान – 10 अंक

1. भारत के संविधान की विशेषताएँ – प्रस्तावना

2. मूल अधिकार, नीति निर्देशक तत्व एवं मूल कर्त्तव्य
3. भारत की संघीय व्यवस्था के आधारभूत तत्व

इकाई–VI भारत में शासन – 10 अंक

1. संसद, लोकसभा एवं राज्यसभा
2. संघीय कार्यपालिका, राष्ट्रपति निर्वाचन एवं शक्तियाँ, प्रधानमंत्री– स्थिति, कार्य
3. न्यायपालिका – सर्वोच्च न्यायालय का गठन, कार्य एवं न्यायिक पुनरावलोकन
4. राज्य स्तरीय एवं स्थानीय शासन, 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन के सन्दर्भ में वर्तमान स्वरुप।

इकाई–VII भारतीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ– 08 अंक

1. जातिवाद एवं साम्प्रदायिकता
2. क्षेत्रवाद एवं भाषावाद
3. आतंकवाद, राजनीति का अपराधीकरण, भ्रष्टाचार
4. गठबंधन की राजनीति

इकाई–VIII भारत की विदेश नीति, संयुक्त नीति व संयुक्त राष्ट्र संघ – 12 अंक

1. भारत की राजनीति की प्रमुख विशेषताएँ, गुट निरपेक्षता
2. संयुक्त राष्ट्र संघ संगठन एवं विश्व शांति स्थापना में योगदान
3. भारत के पड़ौसी देशों से संबंध – पाकिस्तान, चीन व नेपाल
4. क्षेत्रीय संगठन – आसियान, सार्क

निर्धारित पुस्तक–

राजनीति विज्ञान – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

व्यावसायिक शिक्षा

इस विषय में एक प्रश्न पत्र होगा जिसकी परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं–

प्रश्न पत्र	समय	प्रश्न पत्र पूर्णांक	सत्रांक	प्रायोगिक परीक्षा	पूर्णांक
एक	2.15 घण्टे	30	20	50	100

नोट– प्रायोगिक परीक्षा और सैद्धान्तिक परीक्षा (सत्रांक रहित) पृथक–पृथक उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

निम्न विषयों में से कोई एक –

(i) ऑटोमोबाईल (Automobile)
(ii) सौंदर्य एवं स्वास्थ्य (Beauty and Wellness)
(iii) स्वास्थ्य देखभाल (Health Care)
(iv) सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology)
(v) फुटकर बिक्री
(vi) पर्यटन एवं यात्रा
(vii) निजी सुरक्षा

Details of the Syllabus

(i) ऑटोमोबाईल (Automobile)

Weightage to Content :	Marks
1. सर्विस / सेवा पुस्तिका / मैनुअल	02
2. फास्टनरों का निरीक्षण और मरम्मत	04
3. मापन उपकरण	03
4 .इंजन घटकों की प्रयोज्यता, प्रतिस्थापन या मरम्मत	04
5. संचारण प्रणाली	03
6. सस्पेंषन प्रणाली	04
7. ऑटो विद्युत प्रणाली	10
	Total = 30

(ii) सौंदर्य एवं स्वास्थ्य (Beauty and Wellness)

Weightage to Content :	Marks

1. Body Care and Wellness III	08
2. Advance Hand Care	04
3. Advance Foot Care	03
4 Face and Beauty III	06
5. Hair Cutting & Styling II	05
6. Entrepreneurship	04
	Total = 30

(iii) स्वास्थ्य देखभाल (Health Care)

Weightage to Content :	Marks
1. MEDICAL RECORD/DOCUMENTATION	02
2. ROLE OF GENERAL DUTY ASSISTANT IN ELDERLY AND CHILDCARE	07
3. BIO-WASTE MANAGEMENT	05
4. OPERATION THEATRE	05
5. ROLE OF GENERAL DUT Y ASSISTANT IN DISASTER MANAGEMENT AND EMERGENCY RESPONSE	07
6. SELF-MANAGEMENT AND CAREER SCOPE	04
	Total = 30

(iv) सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology)

Weightage to Content :	Marks
1. Functional English (Advanced)	07
2. i. Word Processing	03
ii. Spread Sheet	04
iii. Presentation Software	05
3. Web Design & Development	11
	Total = 30

(v) फुटकर बिक्री

(vi) पर्यटन एवं यात्रा

(vii) निजी सुरक्षा

नोट– उपरोक्त बिन्दुओं **(v), (vi)** व **(vii)** के विषयों का पाठ्यक्रम पंडित सुंदरलाल शर्मा व्यावसायिक शिक्षा केन्द्रीय संस्थान, भोपाल व राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल, जयपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तकों के आधार पर है।

संस्कृतम् पाठ्यक्रमः

विषय कोड–12

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
1.	पठितावबोधनम्	30
2.	विषयवस्तु (संस्कृतसाहित्यस्य इतिहासः)	10
3.	छन्दोऽलंकाराः (छन्दोऽलंकाराः)	10
4.	अपठितांशावबोधनम्	08
5.	रचनात्मककार्यम्	10
6.	व्याकरणम्	12

1. पठितावबोधनम् **30**

(i) (पद्यांश–गद्यांश–नाट्यांशेभ्यः) 24

अंशत्रयेशु उत्तरम्/पूर्णवाक्येन उत्तरम्/ विशेषण विशेष्य प्रयोगः/ अन्वितिः/ विलोम चयनम्/पर्याय चयनम्/कर्तृक्रियापद–चयनम्/शब्दार्थाः कथनानि आश्रित्य प्रश्न–निर्माणम् भावार्थ–लेखनम्/अन्वय लेखनम्

(ii) पाठ्यपुस्तकाधारितं भाषिक कार्यम् 06

(अ) कर्तृ–क्रियापदचयनम् (ब) विशेषण–विशेष्य चयनम्

(स) सर्वनाम–संज्ञा–प्रयोगः (द) समान–विलोम–पदचयनम् (य) कः कं कथयति।

(2) संस्कृत–साहित्येतिहासः **10**

(3) छन्दोऽलंकार परिचयः **10**

(i) छन्दः परिचयः 05

छन्दः लघुयुक्तविवेकः

छन्दः अधोलिखित–छन्दसां सोदाहरणलक्षणसामान्यज्ञानम्

छन्दांसि–इन्द्रवज्रा, शालिनी, भुजंगप्रयातम्, द्रुतविलम्बितम्, हरिणी, शिखरिणी, मदाक्रान्ता, शार्दूल–विक्रीडितम्, स्रग्धरा

(ii) अंलकाराः 05

(अ) शब्दालङ्काराः – अनुप्रासः, यमकम्, श्लेषः

(ब) अर्थालङ्काराः – उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपकम्, अर्थान्तरन्यासः, विभावना, विशेषोक्तिः, निदर्शना,

प्रदत्तश्लोकेषु अलंकारस्य अभिज्ञानमाध्यमेन, प्रदत्त–परिभाषासु अवबोध–माध्यमेन च परीक्षणम्।

4. अपठितावबोधनम् **08**

(1) 40–60 शब्दपरिमितः एकः सरलः अपठितः गद्यांशः प्रश्नवैविध्यम्

(अ) एकपदेन उत्तरम्

(ब) पूर्ण–वाक्येन उत्तरम्

(स) भाषिक–कार्यम् –कर्तृक्रियापदचयनम्, सर्वनामसंज्ञापद–चयनम्

विशेषण–विशेष्य–चयनम्/समानार्थक–विलोमपदचयनम्/

80–100 शब्द परिमितः एकः सरलः अपठितः गद्यांशः

(सम्पादितः सरलः साहित्यिकः अंशः)

प्रश्नवैविध्यम्

(अ) एकपदेन उत्तरम् (प्रश्नद्वयम्)

(ब) पूर्ण–वाक्येन उत्तरम् (एकप्रश्नः)

भाषा सम्बद्धकार्यम्

(अ) कर्तृ–क्रियापदचयनम्

(ब) विशेषण–विशेष्य प्रयोगाः

सर्वनाम–प्रयोगाः/संज्ञाप्रयोगाः

शब्दार्थचयनम्/विलोमचयनम्/समुचित्शीर्षकप्रदानम्

(5) रचनात्मकम् कार्यम् **10**

प्रदत्तरूपरेखया कथासंयोजनम्/ क्रमयोजनम्

(अ) संकेताधारितम् वर्णनम् 05

(ब) अनुवादकार्यम् 05

(6) व्याकरणम् **12**

(अ) स्वरसन्धिः (प्रमुख सूत्राणि उदाहरणानि च प्रयोगाः लघुसिद्धान्तकौमुद्यानुसारम्) 04

(ब) कारकम् –प्रमुखकारक सुत्राणि, तेषां प्रयोगाः च 04

(स) समासः – वाक्येषु समस्तपदानां विग्रहः विग्रहपदानां समासः 04

(केवलसमास, अव्ययीभावः, तत्पुरूष, कर्मधारयः, बहुब्रीहि, द्वन्द्वःसमासः)

निर्धारित पुस्तक–

विजेत्री – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।

इतिहास

विषय कोड– 13

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

भारत का इतिहास

इकाई –1. भारत का वैभवपूर्ण अतीत **10**

(i) ऐतिहासिक स्रोत : साहित्यिक– विभिन्न भाषायी ग्रंथ, विदेशी यात्रियों के विवरण, वंशावलियां– पुरातात्विक एवं पुरालेखीय

(ii) उपलब्धियां– सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक स्थिति, कला, साहित्य एवं विज्ञान

इकाई –2. भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ **15**

(i) मौर्य काल – साम्राज्य स्थापना एवं प्रशासन, अशोक का धम्म

(ii) गुप्त साम्राज्य की स्थापना– आर्थिक स्थिति, कला साहित्य एवं विज्ञान

(iii) हर्षकालीन भारत

(iv) दक्षिण भारत : चोल प्रशासन, कला एवं साहित्य

(v) विजयनगर साम्राज्य उदय, कला एवं साहित्य का विकास

इकाई –3. बाह्य आक्रमण और आत्मसातीकरण **10**

यूनानी, शक, हूण एवं कुषाण – उद्देश्य एवं प्रभाव

इकाई –4. मुस्लिम आक्रमण – उद्देश्य एवं प्रतिरोध **10**

(i) अरब आक्रमण – दाहिर सेन, नागभट्ट, बप्पा रावल एवं अन्य

(ii) तुर्क आक्रमण – पृथ्वीराज चौहान, हम्मीर, रावल रतन सिंह, कुम्भा

(iii) मुगल आक्रमण – राणा सांगा, चन्द्रसेन, महाराणा प्रताप, दुर्गादास, शिवाजी एवं पेशवा।

इकाई –5. उपनिवेशवादी आक्रमण **10**

(i) भूमिका, उत्पत्ति, विस्तार

(ii) भारत में उपनिवेशवादी आक्रमण

– 1857 की क्रान्ति का स्वरुप, कारण एवं परिणाम

इकाई –6. आधुनिक स्वाधीनता आन्दोलन 15

(i) सामाजिक आन्दोलन – ब्रह्म समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन

(ii) क्रान्तिकारी आन्दोलन – जनजातीय प्रतिरोध, अभिनव भारत, हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकेशन ऐसोशियशन, गदर पार्टी, आजाद हिन्द फौज

(iii) राजनैतिक आन्दोलन –

(अ) 1885 – 1907 : 1885 के पूर्व की स्थिति, अंग्रेजी राज्य के प्रति जन भावना, विभिन्न संगठन, कांग्रेस की स्थापना, उद्देश्य, 1907 तक की कार्यप्रणाली, बंग भंग– कारण एवं प्रभाव।

(ब) 1907 – 1919 : कांग्रेस में आन्तरिक विरोध, इसके परिणाम, अंग्रेज सरकार की प्रतिक्रिया, 1909 एवं 1919 के अधिनियमों का आलोचनात्मक विश्लेषण, प्रथम विश्व युद्ध एवं भारत जलियानवाला हत्याकांड।

(स) 1920 – 1947 : राजनैतिक वातावरण, असहयोग एवं खिलाफत आंदोलन– परिणाम एवं प्रतिक्रियाएं 1922 से 1930 तक के घटनाक्रम, अविनय अवज्ञा आंदोलन, गोलमेज सम्मेलन, 1935 का अधिनियम, प्रांतीय सरकारों का निर्माण, 1942 का आंदोलन, द्वितीय विश्व युद्ध एवं भारत, विभाजन एवं स्वतंत्रता, समस्याएं।

इकाई –7 राजस्थान 10

(अ) स्वाधीनता संग्राम –1885 से 1947 तक

(ब) एकीकरण – 1947 से 1956 तक

निर्धारित पुस्तक–

इतिहास – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

भूगोल (कला वर्ग)

विषय कोड–14

इस विषय में एक प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं एक प्रायोगिक की परीक्षा होगी। जिसमें परीक्षार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

परीक्षा	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	योग	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	56	14	70	
प्रायोगिक	4.00	30	–	30	100

भूगोल सैद्धान्तिक **कुल अंक – 56**

खण्ड (अ) मानव भूगोल के मूल तत्व **28**

1. मानव भूगोल का परिचय – **04**

(क) मानव भूगोल – परिभाषा, प्रकृति, विषय क्षेत्र एवं महत्व।

(ख) विश्व की प्रमुख जनजातियाँ –एस्किमी, बुशमैन गौड़, भील जनजातियों का वितरण, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विशेषताएं।

2. विश्व की जनसंख्या– **06**

(अ) जनसंख्या – वितरण, धनत्व को प्रभावित करने वाले कारक।

(ब) जनसंख्या वृद्धि – कारण, समस्या, एवं समाधान, जनसंख्या – संक्रमण सिद्धान्त।

(स) जनसंख्या संरचना – आयुवर्ग, लिगांनुपात, ग्रामीण– नगरीय।

(द) प्रवास– संकल्पना, प्रकार, पक्ष एवं समस्याएँ।

(य) मानव विकास संकल्पना।

(3) विश्व में मानव अधिवास **04**

(अ) अधिवास – ग्रामीण एवं नगरीय अधिवासों के प्रकार, प्रतिरूप एवं समस्याऐं।

(ब) नगरीय कच्ची बस्ती की समस्याऐं एवं समाधान

(स) मुम्बई की धारावी कच्ची बस्ती की केस स्टेड़ी।

(4) विश्व में मानव व्यवसाय – **06**

(क) प्राथमिक व्यवसाय – परिचय, कृषि, खनन, आखेट, पशुपालन, मत्स्य, आदिम संग्रहण।

(ख) द्वितीयक व्यवसाय – संकल्पना, उद्योगों के प्रकार, औधोगिक अवस्थिति के कारक, कृषि आधारित उद्योग, विनिर्माण उद्योग।

(ग) तृतीयक व्यवसाय – चतुर्थक व्यवसाय एवं पंचम व्यावसाय की संकल्पना।

(5) विश्व में परिवहन, संचार, एवं व्यापार **04**

(क) भूतल परिवहन – प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय सड़क एवं रेलमार्ग।

(ख) जल परिवहन – प्रमुख आन्तरिक एवं महासागरीय जलमार्ग, बन्दरगाह, स्वेज एवं पनामा नहर जलमार्ग।

(ग) वायु परिवहन – विश्व के प्रमुख वायुमार्ग एवं हवाई अडड्े महत्व।

(ध) पाइप लाईन परिवहन –विश्व की प्रमुख तेल व गैस पाइप लाइन्स।

(ड) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं भारत की भूमिका।

(र) आधुनिक जनसंचार के उपकरण –उपग्रह, इन्टरनेट, मोबाइल आदि।

(6.) पर्यावरण **02**

(अ) पर्यावरणीय समस्याऐं – प्रदूषण, अम्ल वर्षा, हरित गृह प्रभाव, ओजोन परत में क्षरण।

(ब) वैश्विक पर्यावरणीय सम्मेलन।

(7.) मानचित्र कार्य – विश्व का मानचित्र। **02**

खण्ड (ब) भारत जनसंख्या एवं अर्थव्यवस्था अंक–28

(1) भारत जनसंख्या **05**

(क) वितरण, धनत्व, जनसंख्या वृद्धि एवं पहलू।

(ख) जनसंख्या संरचना – ग्रामीण व नगरीय, लिगांनुपात आयुवर्ग व साक्षरता।

(ग) प्रजातिय तत्व, भाषायी वर्ग, धार्मिक संरचना, भारतीय संस्कृति पर विदेशी प्रभाव।

(2) संसाधन **05**

(क) संसाधन – वर्गीकरण, संरक्षण, व पोषणीय विकास।

(ख) अजैविक संसाधन – भू संसाधन जल, खनिज (लोहा) तांबा, एल्यूमिनियम, अभ्रक)

(ग) जैविक संसाधन – पशुधन, वन, व मत्स्य।

(ध) ऊर्जा संसाधन – परम्परागत – कोयला, पेट्रोलियम, जल विद्युत।

गैर परम्रागत – आणविक ऊर्जा, जैविक ऊर्जा, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा।

(3) कृषि विनिर्माण उद्योग एवं परिवहन **05**

(क) कृषि प्रकार :– निर्वहन व व्यापारिक कृषि, आर्द्र व शुष्क कृषि, गहन व विस्तीर्ण कृषि, जैविक कृषि। उद्यानिकी।

(ख) मुख्य फसलें :– गेंहूँ, चावल, कपास, गन्ना, चाय, वितरण एवं उत्पादन।

(ग) उद्योग – भारत में औद्योगिक विकास, प्रमुख उद्योग – लोहा, इस्पात एवं एल्यूमिनियम,सीमेंट, सूती वस्त्र व चीनी उद्योग। इन्जीनियरिंग उद्योग।

(घ) परिवहन तन्त्र – स्थल, जल, वायु, एवं तेल व गैस पाइप लाइन्स।

(4) विकास व नियोजन **04**

(क) विकास व नियोजन – प्रमुख योजनायें एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन।

(ख) क्षेत्रीय नियोजन – प्रादेशिक असन्तुलन–मरू विकास कार्यक्रम। जनजातीय विकास कार्यक्रम, पर्वतीय विकास कार्यक्रम।

(ग) विकास व नियोजन – गरीबी उन्मूलन व रोजगार कार्यक्रम। मनरेगा की भूमिका व प्रभाव।

(ध) सतत् विकास – परम्परागत एवं आधुनिक दृष्टिकोण।

(5) जनसंख्या एवं अर्थव्यवस्था (राजस्थान) **07**

(क) ग्रामीण विकास – डेयरी, गौ पालन, व कुटीर उद्योग।

(ख) प्रमुख उद्योग – सूती वस्त्र, सीमेन्ट।

(ग) खनिज – तांबा, जस्ता, चांदी, मार्बल, टंगस्टन एवं जिप्सम, एवं पैट्रोलियम।

(ध) प्रमुख सिंचाई परियोजनायें :– चम्बल, इन्दिरा गांधी व माही परियोजना।

(च) राजस्थान में पेयजल की समस्या एवं योजना जनसंख्या वितरण धनत्व एवं लिङ्गानुपात जनजातियाँ।

6. मानचित्र कार्य– भारत **02**

भूगोल प्रायोगिक

समय – 4.00 घण्टे **कुल अंक – 30**

1. प्रायोगिक प्रश्न पत्र	**12**
2. प्रायोगिक अभिलेख एवं मौखिक परीक्षा	**4+2 = 06**
3. समपटल सर्वेक्षण कार्यएवं मौखिक परीक्षा	**4+2 = 06**
4. क्षेत्रीय अध्ययन	**4+2 = 06**
	30 अंक

1. मानचित्र : अर्थ, महत्व, वर्गीकरण एवं मानचित्राकंन। थिमैटिक (विषयक) मानचित्र – बिन्दु, वर्णमात्री, एवं समरेखा मानचित्र।

2. आँकड़ों का निरूपण – आरेखों की रचना : दण्ड आरेख, चक्र आरेख व प्रवाह आरेख।

3. आँकड़ें और आँकड़ों का एकत्रीकरण, आँकड़ों का सारणीयन, माध्य, माध्यिका व बहुलक, विचलन, कोटि आकार सहसम्बन्ध की गणना।

4. भौगोलिक सूचना तंत्र व सूदूर संवेदन तकनीक का सामान्य परिचय।

5. समपटल सर्वेक्षण – समपटल सर्वेक्षण : विकिरण एवं प्रतिच्छेदन विधि।

6. क्षैत्रीय अध्ययन – स्थानीय सामाजिक, आर्थिक समस्याओं पर क्षैत्रीय अध्ययन
(30 किमी. से अधिक दूरी पर स्थित क्षेत्र)

निर्धारित पुस्तकें :

1. **भूगोल** – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।
2. **प्रायोगिक भूगोल** – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

गणित

विषय कोड– 15

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

समय 3.15 घण्टे **पूर्णांक–80**

	इकाई का नाम	अंक
1.	संयुक्त फलन	7
2.	बीज गणित	10
3.	कलन	38
4.	सदिश तथा त्रि-विमीय ज्यामिति	14
5.	रैखिक प्रोग्रामन	4
6.	प्रायिकता	7

इकाई-I संयुक्त फलन **7**

1. फलन 3

प्रस्तावना, पूर्वाभ्यास, संयुक्त फलन के गुण, प्रतिलोम फलन, प्रतिलोम फलन का प्रान्त, परिसर, प्रतिलोम फलन के गुणधर्म, द्विआधारी संक्रियाएं, माड्यूलों पद्धति।

2. प्रतिलोम वृत्तीय फलन 4

परिभाषा, परिसर, प्रांत, मुख्य मान, व्यापक मान, प्रतिलोम वृत्तीय फलनों के आलेख। प्रतिलोम वृत्तीय फलनों के मध्य सम्बन्ध एवं गुणधर्म।

इकाई-II बीज गणित **10**

1. आव्यूह 3

संकल्पना, संकेतन (Notation), क्रम, समानता, आव्यूहों के प्रकार, शून्य आव्यूह, एक आव्यूह का परिवर्त, सममित तथा विषम-सममित आव्यूह। आव्यूहों का योग, योग संक्रिया के गुणधर्म, गुणन, गुणन संक्रिया के गुणधर्म तथा अदिश गुणन के गुणधर्म। अशून्य आव्यूहों का अस्तित्व जिनका गुणन एक शून्य आव्यूह है (क्रम 2 के वर्ग आव्यूहों तक सीमित)।

[यहाँ सभी आव्यूहों के अवयव वास्तविक संख्याएं हैं]

2. सारणिक 3

एक वर्ग आव्यूह का सारणिक (3×3 के वर्ग आव्यूह तक), सारणिकों के गुणधर्म, उपसारणिक (Minor), सहखण्ड (Co-factor) तथा सारणिकों का प्रसार, प्रारम्भिक संक्रियाएं, सारणिकों का गुणन।

3. व्युत्क्रम आव्यूह एवं रैखिक समीकरण 4

प्रस्तावना, व्युत्क्रमणीय तथा अव्युत्क्रमणीय आव्यूह, वर्ग आव्यूह का सहखण्डज आव्यूह, आव्यूह का व्युत्क्रम, महत्वपूर्ण प्रमेय, सारणिकों के अनुप्रयोग-त्रिभुज का क्षेत्रफल, तीन बिन्दुओं के संरेखीय होने की शर्त, दो बिन्दुओं से होकर गुजरने वाली रेखा का समीकरण, रैखिक समीकरण निकाय का हल-(1) क्रेमर नियम से (2) आव्यूह सिद्धान्त की सहायता से

इकाई-III कलन **38**

1. संततता तथा अवकलनीयता 8

सांतत्य तथा अवकलनीयता। संयुक्त फलनों का अवकलज, श्रृंखला नियम, प्रतिलोम त्रिकोणमितीय फलनों का अवकलज, अस्पष्ट (Implicit) फलनों का अवकलज। चरघांताकी तथा लघुगणकीय फलनों की संकल्पना तथा उनका अवकलन, लघुगणकीय अवकलन। प्राचल रूप में व्यक्त फलनों का अवकलन, द्वितीय क्रम के अवकलज, रोले तथा लग्राँज के मध्यमान प्रमेय (बिना उपपत्ति के) तथा उनकी ज्यामितीय व्याख्या।

2. अवकलजों के अनुप्रयोग 6

अवकलजों के अनुप्रयोग : परिवर्तन की दर, वर्धमान/ह्रासमान फलन, स्पर्श रेखाएं तथा अभिलंब, अवकलजों के द्वारा सन्निकटन, उच्चिष्ठ तथा निम्निष्ठ ज्ञात करने की क्रियाविधि, उच्चिष्ठ तथा निम्निष्ठ के सरल अनुप्रयोग (जो विषय के मूलभूत सिद्वान्तों की समझ दर्शाते हैं तथा वास्तविक जीवन से सम्बन्धित हों)

3. समाकलन 12

समाकलन को अवकलन के व्युत्क्रम प्रक्रम के रूप में। कई प्रकार के फलनों का समाकलन-प्रतिस्थापना द्वारा, आंशिक भिन्नों द्वारा तथा खंडशः द्वारा। निम्न प्रकार के सरल समाकलों का मान ज्ञान करना :

$$\int \frac{dx}{x^2 \pm a^2}, \int \frac{dx}{\sqrt{x^2 \pm a^2}}, \int \frac{dx}{\sqrt{a^2 - x^2}}, \int \frac{dx}{ax^2+bx+c}, \int \frac{dx}{\sqrt{ax^2+bx+c}}, \int \sqrt{ax^2+bx+c}\, dx, \int (px+q)\sqrt{ax^2+bx+c}\, dx$$

$$\int \frac{px+q}{ax^2+bx+c} dx, \int \frac{px+q}{\sqrt{ax^2+bx+c}} dx, \int \sqrt{a^2 \pm x^2} dx \text{ तथा } \int \sqrt{x^2 - a^2} dx$$

योगफल की सीमा के रूप में निश्चित समाकलन, कलन का आधारभूत प्रमेय (बिना उपपत्ति के), निश्चित समाकलों के मूल गुणधर्म, निश्चित समाकलों का मान ज्ञात करना।

4. समाकलनों के अनुप्रयोग 6

अनुप्रयोग : साधारण वक्रों के अन्तर्गत क्षेत्रफल ज्ञात करना, विशेषतया रेखाएं, वृत्त/परवलयों/दीर्घवृत्तों (जो केवल मानक रूप में हैं) का क्षेत्रफल, उपरोक्त दो वक्रों के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल (ऐसा क्षेत्र जो स्पष्ट रूप से पहचान में आ सके)

5. अवकल समीकरण 6

परिभाषा, कोटि एवं घात, अवकल समीकरण का निर्माण, अवकल समीकरण का व्यापक एवं विशिष्ट हल। प्रथम कोटि एवं प्रथम घात के अवकल समीकरणों का हल, चरों के पृथक्करण द्वारा,

समघात समीकरणों का हल, रैखिक अवकल समीकरण तथा रैखिक अवकल समीकरण में समानेय समीकरणों का हल।

इकाई-IV सदिश तथा त्रि-विमीय ज्यामिति **14**

1. सदिश 7

सदिश तथा अदिश, एक सदिश का परिमाण तथा दिशा, सदिशों के प्रकार (समान, मात्रक, शून्य, समान्तर तथा संरेख सदिश), किसी बिन्दु का स्थिति सदिश, ऋणात्मक सदिश, एक सदिश के घटक, सदिशों का योगफल, एक सदिश का अदिश से गुणन, दो बिन्दुओं को मिलाने वाले रेखाखण्ड को किसी अनुपात में बांटने वाले बिन्दु का स्थिति सदिश, दो सदिशों का अदिश गुणनफल एवं गुणधर्म, दो सदिशों का सदिश गुणफल एवं गुणधर्म, तीन सदिशों का अदिश गुणन, सदिश त्रिक् गुणन।

2. त्रि-विमीय ज्यामिति 7

दो बिन्दुओं को मिलाने वाली रेखा की दिक्कोज्जाएं तथा दिक्-अनुपात। एक रेखा का कार्तीय तथा सदिश समीकरण, दो रेखाओं के मध्य कोण, दो रेखाओं का प्रतिछेदन, एक रेखा से एक बिन्दु की लम्बवत दूरी, समतलीय तथा विषम तलीय रेखाएं, दो विषम तलीय रेखाओं के बीच की न्यूनतम दूरी, दो समानान्तर रेखाओं के मध्य दूरी, एक तल के कार्तीय तथा सदिश समीकरण (i) दो तलों (ii) एक रेखा तथा एक तल के बीच का कोण, एक बिन्दु की एक तल से दूरी।

इकाई-V रैखिक प्रोग्रामन **4**

रैखिक प्रोग्रामन 4

भूमिका, रैखिक प्रोग्रामन (LP) समस्याओं का गणितीय संरूपण, सम्बन्धित पदों की परिभाषा जैसे व्यवरोध, उद्देश्य फलन, इष्टतम हल, रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं के विभिन्न प्रकार, दो चरों में दी गई समस्याओं के आलेखीय हल, रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं के विभिन्न अनुप्रयोग।

इकाई-VI प्रायिकता एवं प्रायकिता बंटन **7**

सप्रतिबंध प्रायिकता, प्रायिकता का गुणन नियम, स्वतंत्र घटनाएं, कुल प्रायिकता, बेज प्रमेय, यादृच्छिक चर और उसका प्रायिकता बंटन, यादृच्छ चर का माध्य तथा प्रसरण, बरनौली परीक्षण तथा द्विपद बंटन।

निर्धारित पुस्तक–

गणित – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

English Literature

Subject Code-20

The Examination Scheme for the subject is as follows -

Paper	Time (Hrs.)	Marks for the Paper	Sessional	Total Marks
One	3.15	80	20	100

One Paper **Time: 3.15 Hours** **80 Marks**

Area of Learning	Marks
Reading	15
Writing	15
Grammar	10
Literary Terms	06
Text book : **Prudence**	24
Fiction : **Inside the Haveli**	10

1. Reading **15**

(an unseen passage and poem)

(a) One literary or discursive passage of about 400-500 words followed by short questions 08

(b) A poem of about 15 lines followed by short questions to test interpretation and literary appreciation 07

2. Writing **15**

(a) An **Essay** on argumentative/discursive/reflective or descriptive topic (150-200 words) 08

(Students should be taught all kinds of essays. Any one can be asked)

(b) A **Composition** such as an article, report, speech (150-200 words) 07

(Students should be taught all kinds of compositions. Any one can be asked)

3. Grammar **10**

(a) Editing and error correction of words and sentences 05

(b) Changing the narration of a given input 05

4. Literary Terms **06**

Metaphysical Poetry, Impressionism, Stream of Consciousness, Interior Monologue, Anglo-Indian literature, Indo-Anglian literature (The two out of four terms are to be attempted) 2x3=6

5. Text book for detailed study	**24**
(a) **Two** out of three textual questions to be answered in 100 words each testing global comprehension, etc	6x2=12
(b) **Four** out of five textual questions to be answered in about 50 words each testing comprehension, characterisation,interpretation, etc	4x3=12
6. Fiction	**10**
(a) **One** out of two textual questions to be answered in about 60 words each seeking comments, interpretation, etc	04
(b) **One** textual question in about 100 words to test evaluation and appreciation of characters, events, episodes and interpersonal relationships	06

Books prescribed :

1. Prudence - Board of Secondary Education, Rajasthan, Ajmer

2. Inside the Haveli (by Rama Mehta) Board of Secondary Education, Rajasthan, Ajmer

हिन्दी साहित्य

विषय कोड–21

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

समय–3:15 **पूर्णांक–80**

अधिगम क्षेत्र	अंक
हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	16
काव्यांग परिचय	16
पाठ्यपुस्तक –सरयू (प्रथम पुस्तक)	32
पाठ्यपुस्तक –मंदाकिनी (द्वितीय पुस्तक)	16

खण्ड–1

हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– **16 अंक**

आधुनिक काल का सामान्य परिचय – (4 प्रश्न) 4X4=16

खण्ड–2

काव्यांग परिचय – **16 अंक**

(क) काव्य गुण, काव्य दोष – (2 प्रश्न) 2X1=2

(ख) छंद – (गीतिका, हरिगीतिका, छप्पय, कुण्डलिया, द्रुतविलम्बित, वंशस्थ, कवित्त, सवैया) कोई दो प्रश्न 2X3=6

(ग) अंलकार – (अन्योक्ति, समासोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टांत, प्रतीप, मानवीकरण, व्यतिरेक) कोई दो प्रश्न 2X4=8

खण्ड–3

पाठ्य पुस्तक–प्रथम पुस्तक (सरयू) – **32 अंक**

(क) 1 व्याख्या गद्य से (विकल्प सहित) – 1X3=03

(ख) 1 व्याख्या पद्य से (विकल्प सहित) – 1X3=03

(ग) 2 निबंधात्मक प्रश्न (1 प्रश्न गद्य से एवं 1 प्रश्न पद्य भाग से विकल्प सहित) – 2X4=8

(घ) 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न (2 गद्य एवं 2 पद्य भाग से) – 4X3=12

(ड.) किसी एक कवि या लेखक का परिचय – 1X2=02

(च) 2 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (1 गद्य एवं 1 पद्य भाग से) – 2X2=04

खण्ड–4

पाठ्य पुस्तक–द्वितीय पुस्तक (मंदाकिनी) – **16 अंक**

(क) 1 निबंधात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) – 1X4=04

(ख) 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न – 4X3=12

निर्धारित पुस्तकें–

सरयू (प्रथम पुस्तक) – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

मंदाकिनी (द्वितीय पुस्तक) – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

उर्दू साहित्य

विषय कोड– 22

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंक
1	खुलासा–ए–मज़मून व नज़्म	10
2	रचना : मज़मून निगारी, कवाइद	17
3	पाठ्यपुस्तक : आईना–ए–अदब	
	(अ) हिस्सा–ए–नस्र	25
	(ब) हिस्सा–ए–नज़्म	28

1. खुलासा–ए–मज़मून व नज़्म **10**

2. रचना : **17**

(अ) मज़मून निगारी (समाजी व अदबी मौजूआत पर एक मज़मून) 08

(ब) क़वाइद : इल्मे बयान व बदी – तशबीह, तलमीह, इस्तेआरा, ईहाम हुस्ने–तआलील, मिरातुन्नज़ीर। (चार में से तीन सनअतों की तारीफ़ मय मिसाल) 09

3. हिस्सा–ए–नस्र (पुस्तक : आईना–ए–अदब) **25**

(अ) तशरीह–ए–इक़्तिबास और उस पर मुशतमल मुख़्तसर सवालात 08

(ब) दाख़िले निसाब मज़ामीन में से मुख़्तसर सवालात (चार में से तीन) 06

(स) एक तफ़सीली सवाल (दो में से एक) 05

(द) सवानेह हयात : निसाब में शामिल किसी एक मुसन्निफ़ की सवानेह हयात और तर्ज़े–तहरीर पर तबसेरा। 06

4. हिस्सा–ए–नज़्म : (पुस्तक : आईना–ए–अदब) **28**

(अ) दाख़िले निसाब मंजूमात में से दो अज़ज़ा–ए–नज़्म की तशरीह (तीन में से दो) 08

(ब) दाख़िले निसाब मंजूमात/ग़ज़लियात पर मुशतमल तफ़सीली सवाल (दो में से एक) 06

(स) दाख़िले निसाब शौअरा में से किसी एक के हालात–ए–ज़िन्दगी पर रोशनी और उसकी शाइराना खूबियों का ज़ाएज़ा। 06

(द) दाख़िल निसाब मंजूमात में से चार मुख़्तसर सवालात। (पांच में से चार) 08

निर्धारित पाठ्यपुस्तक :–

आईना–ए–अदब – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

सिन्धी साहित्य

विषय कोड–23

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

क्र.सं.	**अधिगम क्षेत्र**	**अंक**
1	अपठित गद्यांश	5
2	रचना (पत्र, निबंध/प्रार्थनापत्र)	10+5=15
3	व्याकरण, मुहावरें, कहावतें	5
4	छन्द–दोहे, सोरठो, पंजकड़ा, तस्वीर या हाईकों (परिभाषा उदाहरण)	5
5	पाठ्य पुस्तक– गद्य, पद्य, उपन्यास	50

1	**अपठित गद्यांश** (100 से 150 शब्दों में)	**5 अंक**
2	**रचना–**	**15 अंक**
	(i) निबन्ध–(200 शब्दों में) किसी एक विषय पर विकल्प सहित	10
	(ii) पत्र या प्रार्थना पत्र	5
3	**व्याकरण**–मुहावरें, कहावतें (अर्थ व वाक्य प्रयोग) (सात में कोई पाँच)	**5**
4	**छन्द**–दोहे, सोरठो, पंजकड़ा, तस्वीर या हाईकों (परिभाषा उदाहरण)	**5**
5	**पाठ्यपुस्तकें**– (गद्य,पद्य संग्रह) शीर्षक– 'अदबी सुगन्ध'	**50**
	(i) गद्य खण्ड–(कहानियां–6, निबन्ध–4, जीवनी–2, एकांकी–1, आत्म–कथा–अंश–1 दर्शनीय स्थल–1)	20
	(ii) पद्य–खण्ड 15 कविताएँ (कवि को परिचय सहित)	20
	(iii) उपन्यास–अझो–लेखक–हरी मोटवाणी	10

प्रश्नों का अंक विभाजन :

गद्य खण्ड

1.	संसदर्भ व्याख्या– दो में से एक	1X4= 04
2.	लघुत्तरात्मक प्रश्न– पाँच में से तीन	3X2= 06
3.	निबन्धात्मक प्रश्न– तीन में से दो	2X5= 10

(ii) **उपन्यास–** तीन में से दो प्रश्न 2X5= 10

पद्य खण्ड

1. संसदर्भ व्याख्या– दो में से एक 1X4= 04
2. लघुत्तरात्मक प्रश्न– पाँच में से तीन 3X2= 06
3. कविता का सार/कवि का परिचय 1X5= 05
4. निबन्धात्मक प्रश्न– दो में से एक 1X5= 05

निर्धारित पुस्तक–

1. **अदबी सुगंध –** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।
2. **अझो (उपन्यास) –** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

गुजराती साहित्य

विषय कोड–24

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

धोरण (कक्षा) – 12

– अपठित पद्यांश	10
– लेखन रचना	18
– व्याकरण	12
– पाठ्य पुस्तक	40

1. अपठित पद्यांश (पद्य समीक्षा) **10**
(विषय वस्तुना प्रश्नो, अने विशेषताओ)

2. लेखन रचना **18**
– निबंध 10
– विचार विस्तार, कहेवत अने पद्य पंक्ति 8

3. व्याकरण **12**
– अलंकार 2
– छंद 2
– वाक्य परिवर्तन 2
– वाक्य विश्लेषण 2
– शब्द समूह माटे अके शब्द 2
– अनुवाद 2

4. पाठ्य पुस्तक **40**
गद्य 20
(i) पठित गद्य खण्ड (150 शब्दों मां) ने वांची ने आपेला प्रश्नो ना जवाब 6
(ii) छ मांथी गमे ते चार प्रश्नों नां मुद्दासर उत्तर 8
(iii) दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या 6
पद्य 20
(i) कोइ पण बे काव्यानो भावार्थ 6
(ii) चार मांथी गमे ते बे प्रश्नों नां मुद्दासर उत्तर 8
(iii) तीन काव्यांशों मांथी कोइ पण एक काव्यांश नुं रस दर्शन 6

निर्धारित पुस्तक :

धोरण गुजराती साहित्य – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।

पंजाबी साहित्य

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंक
1	अपठित गद्यांश	10
2	निबंध एवं कहानी रचना	12
3	साहित्य बोध	08
4	व्यावहारिक व्याकरण	13
5	पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रश्न	30
6	पंजाबी साहित्य का संक्षेप इतिहास	07

1. अपठित गद्यांश (150 शब्द) 10

उपर्युक्त गद्यांश में से शीर्षक, विषयवस्तु बोध एवं शब्दार्थ संबंधी समान अंकों में से पांच प्रश्न पूछे जायेंगे ।

2. निबंध एवं कहानी–रचना 12

(i) कवि के जीवन एवं रचना पर आधारित निबंध रचना 08

(निर्धारित काव्य पुस्तक में शामिल कवियों के आधार पर, चार विकल्पों सहित, 200–250 शब्द सीमा)

(ii) कहानी–रचना 04

(प्रस्तुत आँकड़ों/तथ्यों/संकेतों के आधार पर,, शब्द सीमा 100–125, चार विकल्पों सहित)

3. साहित्य बोध 08

(i) साहित्य के रुप– कविता, गीत, गजल, लघुकथा, एकांकी, नाटक एवं रेखाचित्र (अर्थ, परिभाषा एवं प्रकृति)। 6

(ii) रस– नौ रस (परिभाषा, प्रकार एवं उदाहरण)। 2

4. व्यावहारिक व्याकरण 13

(i) अखाण 2

(ii) मुहावरे 2

(iii) विराम चिह्न 3

(iv) वाक्य बोध (उदेश व विधेय, वाक्य संरचना, वाक्य प्रकार/श्रेणीयां) 6

6. पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रश्नः 30

(i) कविता संग्रह 20

	(अ) पठित पद्यांश पर आधारित व्याख्या एवं बोध प्रश्न (दो में से एक)	10
	(ब) कविताओं का विषयवस्तु, सारांश एवं केन्द्रीय भाव (दो में से एक)	10
(ii)	कहानी संग्रह	10
	(अ) कहानी पर आधारित अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (आठ में से पांच)	5
	(ब) कहानी पर आधारित विषयवस्तु, सारांश एवं चरित्र चित्रण संबंधी लघूत्तरात्मक प्रश्न (दो में से एक)	5
6.	**पंजाबी साहित्य का संक्षेप इतिहास (आधुनिक काल)**	**07**
	पंजाबी इतिहास के इतिहास संबंधी निबंधात्मक प्रश्न (तीन में से एक)	

निर्धारित पुस्तक :

पंजाबी साहित्य दर्पण (भाग–द्वितीय) – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

राजस्थानी साहित्य

विषय कोड–26

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंक
1	राजस्थानी पाठ्यपुस्तक (गद्य–28, पद्य–28)	56
2	राजस्थानी साहित्य का इतिहास	6
3	निबंध रचना	6
4	काव्यशास्त्र–छंद–अलंकार	12

1. राजस्थानी पाठ्यपुस्तक– साहित्य सुजस **56**

गद्य भाग **28**

(i) गद्य री सप्रसंग व्याख्या अर आलोचनात्मक सवाल 3×4 12

(ii) आलोचनात्मक सवाल–4 प्रश्न 4×4 16

पद्य भाग **28**

(i) पद्य री सप्रसंग व्याख्या 3 प्रश्न (3×4) 12

(ii) आलोचनात्मक सवाल–4 प्रश्न (4×4) 16

2 राजस्थानी साहित्य रो इतिहास– प्राचीनकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल **6**

3 निबन्ध लेखन (साहित्यिक, भावात्मक, देशभक्ति, सामाजिक) राजस्थानी **6**

4 काव्यशास्त्र **12**

(i) काव्य री परिभाषा, भेद, तत्व अर प्रयोजन 4

(ii) छंद–कुण्डळियों, छप्पय, वेलियो, त्रिबंकड़ो 4

(iii) अलंकार–अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, 4

निर्धारित पुस्तक–

राजस्थानी साहित्य सुजस–2 –माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

प्राकृत भाषा

विषय कोड–28

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

1. पाइयगज्जसंगहो – **20**

निम्नांकित कथाएं –

(क) पंचसालिकणाणं सत्ती।

(ख) ससुरगेहवासीणं चउजामाईकहा।

(ग) सिप्पिपुत्तस्सकहा।

(घ) षट्खण्डागम लेखन कथा।

उपरोक्त कथाओं का सार, गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद तथा कथाओं पर आधारित सामान्य प्रश्न।

2. अगड़दत्तचरियं– **15**

(देवेन्द्र गणि) गाथा 1 से 73 तक (अनुवाद एवं व्याख्या)।

उपरोक्त गाथाओं का सार, गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद तथा गाथाओं पर आधारित सामान्य प्रश्न।

3. अशोक के चौदह शिलालेख– **15**

गिरनार पाठ में से प्रथम, द्वितीय एवं द्वादश शिलालेख।

उपरोक्त शिलालेखों का सार, गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद तथा शिलालेखों पर आधारित सामान्य प्रश्न।

4. प्राकृत व्याकरण के प्रमुख नियम – **15**

संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, कृदन्त

5. प्राकृत साहित्य के इतिहास का परिचय – **15**

आगम ग्रन्थ, कथा एवं चरित,

काव्य–ग्रन्थों पर सामान्य परिचयात्मक प्रश्न।

निर्धारित पुस्तक –

प्राकृत भाषा– माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।

फ़ारसी साहित्य (कला वर्ग)

विषय कोड–27

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

अधिगम क्षेत्र	अंक
1. तारीख़–ए–अदब–ए–फ़ारसी–इन–डो–परशियन	10
2. गद्य (नस्र)	25
3. पद्य (नज़्म)	28
4. क़वाईद, इल्म–ए–बयान	17

विषय वस्तु–

इकाई–1. तारीख़–ए–अदबियात–ए–ईरान (इन–डो–परशियन) 10

अमीरखुसरो, फ़ैज़ी, ईक़बाल, ऊर्फ़ी शिराज़ी पर सवालात

इकाई–2. रचना – क़वाईद 17

(i) मसदर, ज़माईर, माज़ी के अक़साम 8

(ii) तशबीह, तलमीह, ईशतेक़ाक़, हूस्नेतालील, तलाहूल–ए–आरेफ़ाना, तज़ाद। 9

इकाई–3. हिस्सा–ए–नस्र (निगारिस्तान–ए–अदब) 25

(i) फ़ारसी इक़्तेबास का उर्दू/अंग्रेज़ी या हिन्दी में तरजूमा (अनुवाद) 8

(ii) दाख़िले निसाब असबाक़ पर सवालात (चार में से दो) 6

(iii) एक तफ़सीली सवाल (असबाक़ से मुताल्लिक़) 5

(iv) सवानेह हयात : निसाब में शामिल किसी एक मुसन्निफ़ की सवानेह हयात पर सवाल 6

इकाई–4 हिस्सा–ए–नज़्म (निगारिस्तान–ए–अदब) 28

(i) दाख़िले निसाब मंजूमात–ए–फ़ारसी में से दो अजज़ा की तशरीह (तीन मे से दो) 8

(ii) दाख़िले निसाब हम्द/मंजूमात/मस्नवीयात/गज़लियात/रुबाइयात वग़ैरह पर मुशतामिल तफ़सीली सवाल (दो में से एक) 6

(iii) दाख़िले निसाब शौअरा में से किसी एक के हालात–ए–ज़िंदगी पर रोशनी और शाइराना ख़ूबियों का जायज़ा 6

(iv) दाख़िले निसाब हम्द/मंजूमात/मस्नवीयात/गज़लियात/रुबाइयात वग़ैरह पर मुख़तसर सवालात (पांच में से चार) 8

निर्धारित पुस्तक–

निगारिस्तान–ए–अदब –माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।

संगीत (कण्ठ अथवा वाद्य अथवा नृत्य)

विषय कोड–16

इस विषय में एक प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं एक प्रायोगिक की परीक्षा होगी। जिसमें परीक्षार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

परीक्षा	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	योग	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	24	6	30	
प्रायोगिक	4.00	70	–	70	100

(अ) कण्ठ संगीत– गायन (सैद्धांन्तिक)

समय : 3.15 घण्टे

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
1.	सैद्धान्तिक– (i) परिभाषाएँ, पद्धतियाँ, ग्रन्थ अध्ययन, समय सिद्वांत, घराने एवं जीवन परिचय	16
2.	(ii) राग, ताल एवं वाद्य परिचय, रागों एवं तालों को लिपिबद्ध करना।	08
	प्रायोगिक– (3) विभिन्न गायन शैलियों का गायन।	50
	(4) हाथ से ताल लगाना।	10
	(5) सुगम संगीत एवं राग पहचानना।	10

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु (सैद्धान्तिक)	अंकभार
1.	निम्नलिखित की परिभाषाएँ (i) अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़, वर्ण, ग्राम, मूर्च्छना, गमक, आलाप, तान। (ii) भारत में प्रचलित संगीत पद्वतियों (उत्तरी व दक्षिणी) की सामान्य जानकारी।	04
2.	(अ) संगीत ग्रंथों का अध्ययन : (i) भरत कृत नाट्यशास्त्र, (ii) शारंगदेव कृत संगीत–रत्नाकर, (iii) भातखण्डे कृत श्री मल्लक्ष्य संगीतम्। (ब) रागों का समय सिद्वांत	04
3.	(अ) घरानों की शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन– ग्वालियर घराना, किराना घराना एवं जयपुर घराना। (ब) तानपुरे की सम्पूर्ण जानकारी (सचित्र)	04

4.	(अ) रागों का शास्त्रीय वर्णन : राग वृन्दावनी सारंग, राग बिहाग, राग मालकौंस, राग खमाज, राग भूपाली, राग भैरवी।	04
	(ब) पाठ्यक्रमों की रागों को स्वर–समूह से पहचानना	
5.	(अ) रागों की बन्दिशों को स्वरलिपि बद्ध करना।	04
	(ब) तालों का परिचय देते हुए तालों को ठाह व दुगुन में लिपिबद्ध करना : झपताल, एकताल, चौताल, धमार, पंजाबी ताल, त्रिताल।	
6.	संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत जगत में योगदान :–	04
	(अ) मीराबाई (ब) महाराणा कुम्भा (स) कुमार गन्धर्व	
	(द) उस्ताद अल्लादिया खां (ड) पं. जसराज	

(अ) कण्ठ संगीत–गायन (क्रियात्मक)

समय : 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

इकाई	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	(अ) निर्धारित रागों– मालकौंस, वृन्दावनी सारंग, बिहाग, भूपाली, खमाज और भैरवी में से किसी एक राग में विलम्बित (बड़ा) ख्याल एवं द्रुत ख्याल आलाप तानों सहित।	20
	(ब) किन्हीं तीन रागों में स्वर मालिका	05
	(स) किन्हीं दो रागों में छोटा ख्याल आलाप तानों सहित।	10
	(द) किसी भी राग में तराना, ठुमरी, दादरा (कोई एक रचना)।	10
	(ड) किसी भी राग में ध्रुपद अथवा धमार दुगुन सहित।	05
2.	ताल को हाथ से लगाते हुए ठेका एवं दुगुन– झपताल, एकताल, चौताल, धमार,ताल, पंजाबी ताल, त्रिताल।	10
3.	परीक्षक द्वारा प्रस्तुत की गई राग को पहचानना।	05
4.	राजस्थानी लोकगीत, भजन अथवा गजल।	05

नोट– बड़ा ख्याल–छोटा ख्याल, दो अन्य छोटे ख्याल, ध्रुपद –धमार हेतु अलग–अलग रागों का चयन करें।

(आ) स्वर वाद्य (सैद्धान्तिक)

सितार / सरोद / वॉयलिन / दिलरूबा–इसराज / बांसुरी / गिटार,

समय : 3.15 घंटा **पूर्णांक : 24**

अधिगम क्षेत्र		अंकभार
सैद्धान्तिक	1. परिभाषायें, पद्धतियां, ग्रंथ अध्ययन, समय सिद्धांत, घराने एवं जीवन परिचय।	16

	2. राग, ताल, एवं राग परिचय एवं राग व तालों को लिपिबद्ध।	08
क्रियात्मक	1. विभिन्न वादन शैलियों का वादन	50
	2. हाथ से ताल लगाना।	10
	3. ताल तथा राग पहचानना।	10

क्र.सं.	**पाठ्य वस्तु**	**अंकभार**
1.	निम्न की परिभाषाएं– (i) वर्ण, अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़, जोड़ आलाप, तोड़ा, झाला, कृन्तन, जमजमा, मींड। (ii) भारत में प्रचलित संगीत पद्धतियों की सामान्य जानकारी।	04
2.	निम्नलिखित ग्रन्थों का अध्ययन (i) भरतकृत नाट्य शास्त्र शारंगदेव कृत : संगीत रत्नाकर भृतखंडे कृत : श्रीमल्लक्ष्य संगीतम् (ii) रागों का समय सिद्धांत	04
3.	घरानों की शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन (i) इमदादखानी बाज, मैहर बाज, जाफरखानी बाज (ii) अपने चयनित वाद्य का सचित्र वर्णन	04
4.	रागों का पूर्ण शास्त्रीय वर्णन (i) मालकौंस, वृन्दावनी सारंग, बिहाग, भूपाली, खमाज एवं भैरवी (ii) पाठ्यक्रम की रागों को स्वरसमूह द्वारा पहचानना।	04
5.	(i) तालों का परिचय देते हुए तालों को ठाह एवं दुगुन में लिखना। झपताल, एकताल, चौताल, धमार, पंजाबी ताल, त्रिताल। (ii) रागों की मसीतखानी गत एवं रजाखानी गत को लिपिबद्ध करना।	04
6.	संगीतज्ञों का पूर्ण जीवन परिचय – उस्ताद अली अकबर खाँ, विलायत खाँ, एन. राजम, विश्वमोहन भट्ट, हरिप्रसाद चौरसिया	04

स्वर वाद्य – क्रियात्मक

समय : 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

क्र.सं.	**अधिगम क्षेत्र**	**अंकभार**
1.	(i) किसी एक राग में मसीतखानी व रजाखानी गत (तोड़े एवं झाला सहित)	20
	(ii) पाठ्यक्रम में से कोई 3 रागों में रजाखानी गत 2–2 तोड़ों के साथ	15
2.	(i) किसी एक लोकधुन को अपने वाद्य पर बजाना।	05
	(ii) वाद्य पर प्रायोगिक प्रदर्शन– मींड, कृंतन, जमजमा	05
	(iii) किंन्ही दो रागों में जोड़ आलाप (बिन्दु–1 के अतिरिक्त)	05

3.	तालों का ठेका व दुगुन को हाथ पर लगाने का ज्ञान	10
4.	परीक्षक द्वारा गाये/बजाये गये रागों की पहचान करना।	05
5.	तबले पर बजाई जाने वाली तालों को पहचानना	05

(इ) ताल वाद्य
तबला/पखावज (सैद्धान्तिक)

समय : 3.15 घंटा **पूर्णांक : 24**

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
सैद्धान्तिक		
	1. विषय का तकनीकी एवं प्रायोगिक अध्ययन	13
	2. विषय का ऐतिहासिक एवं प्रान्तीय अध्ययन	08
	3. जीवन परिचय ज्ञान	03
क्रियात्मक		
	1. मुख्य प्रस्तुति व अभ्यास का परीक्षण	35
	2. विषय की गहनता की जांच	20
	3. वाद्य तकनीक एवं संगीत अभ्यास	15

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	(अ) निम्न की परिभाषाएँ– जरब, क्रिया, पेशकार, रेला, मोहरा, उठान, चक्करदार तिहाई (ब) लयकारियां– आड़, कुआड़, बिआड़	04
2.	(अ) तालों की तुलनात्मक अध्ययन 1.चौताल– एकताल 2. झपताल– सूलताल 3. दीवचंदी– झूमरा 4. रूपक, तीव्रा (ब) पाठ्यक्रम की तालों का वर्णन व दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लिखना– रूपक, तीव्रा, दीपचंदी, झूमरा, पंजाबी, त्रिताल, तिलवाड़ा	06
3.	(अ) अवनद्ध वाद्यों का इतिहास, राजस्थानी लोक अवनद्ध वाद्यों के विशेष संदर्भ में (ब) तबले के प्रमुख बाज– फर्रुखाबाद, बनारस, अजराड़ा	08
4.	जीवनियाँ एवं योगदान – पुरुषोत्तम दास परवावजी, रामशंकर पागलदास, पंडित चतुरलाल, पंडित अनोखेलाल, अहमद जान थिरकवा	03
5.	वाद्य वर्णन – अपने वाद्य का सचित्र वर्णन	03

(इ) ताल वाद्य

तबला/पखावज (क्रियात्मक)

समय : 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	विद्यार्थी की इच्छानुसार किसी भी ताल का विस्तृत वादन :– उठान, पेशकार, कायदा, गत, परन, रेला, चक्करदार तिहाई युक्त	20
2.	बिन्दु एक के अतिरिक्त किसी ताल में – पेशकार, कायदा, गत व तिहाई का प्रदर्शन	15
3.	पाठ्यक्रम की तालों को ठेका दुगुन चौगुन व आड़ी लय में बजाना	10
4.	अपने वाद्य को मिलाने का ज्ञान	05
5.	विभिन्न तालों के लहरों के साथ संगत अभ्यास	10
6.	ताल की विभिन्न वादन रचनाओं की पढ़न्त व हाथ से ताल प्रदर्शन	10

(ई) कथक नृत्य (सैद्धान्तिक)

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 24**

क्र.सं.		अधिगम क्षेत्र	अंकभार
सैद्धान्तिक	1.	नृत्य के शास्त्रीय व प्रायोगिक पक्ष का ज्ञान	06
	2.	कथक का इतिहास शैलीगत भेद व व्यक्तित्व अध्ययन	09
	3.	लोक व शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन।	06
	4.	ताल अध्ययन।	03
क्रियात्मक	1.	मुख्य प्रस्तुति व अभ्यास का परीक्षण	45
	2.	विषय की गहनता की जांच	15
	3.	अन्य शैली का ज्ञान	10

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	(अ) परिभाषाऐं– नृत्त, नृत्य, नाट्य, तांडव, लास्य, चनुर्विध– अभिनय, प्रमलु संयुक्त हस्त मुद्रा (ब) ठुमरी, भजन, चतुरंग, तराना–गीत शैलियों का ज्ञान	**06**
2.	(अ) कत्थक नृत्य का संक्षिप्त इतिहास (ब) लखनऊ व जयपुर घराने का तुलनात्मक अध्ययन	**06**
3.	नृत्यकारों की जीवनियां– पं. अच्छन महाराज, पं. जयलाल जी, पं. कुंदनलाल गंगानी, पं. गोपीकृष्ण	**03**
4.	(अ) शास्त्रीय नृत्य शैलियों का ज्ञान– कथकलि, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, सत्रिया (ब) राजस्थानी लोक नृत्य– गैर नृत्य कच्छीघोड़ी, कालबेलिया	**06**
5.	तालों को दुगुन व चौगुन, में लिखने का ज्ञान तीव्रा, झपताल, इकताल,	**03**

धमार, पंजाबी, त्रिताल

(ई) कथक नृत्य (क्रियात्मक)

समय– 30 मिनट प्रति छात्र **पूर्णांक : 70**

1.	त्रिताल व झपताल में हस्तकों सहित – 2 ठाठ, 1 सलामी, 1 आमद, चक्करदार तोड़े सहित	20
2.	मुख्य प्रस्तुति– ठाठ, आमद, वंदना, तोड़ा/टुकड़ा, गत निकास, परण, तिहाई, पढंत प्रदर्शन सहित त्रिताल, झपताल व इकताल में लहरे का ज्ञान	25
3.	पाठ्यक्रम की तालों की प्रस्तुति– दुगुन व चौगुन में	05
4.	लोक नृत्य की प्रस्तुति।	10
5.	विशेष भाव पक्ष – मुख मुद्रा व अंग प्रत्यंगों द्वारा भावपूर्ण प्रदर्शन तत्कार – पदाघातों (Footwork) में कुशलता व सफाई लय पक्ष – नृत्य के किसी भी भाग में लय अधिकार	10

निर्धारित पुस्तक–

स्वर विहार– संगीत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।

चित्रकला (कला वर्ग)

विषय कोड–17

इस विषय में एक प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक एवं एक प्रायोगिक की परीक्षा होगी। जिसमें परीक्षार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

परीक्षा	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	योग	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	24	06	30	
प्रायोगिक	6.00	70	–	70	100

विषय–चित्रकला सैद्धान्तिक

क्र.स.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
1.	मध्यकालीन भारतीय चित्रकला	8.5
2.	आधुनिक भारतीय चित्रकला	8.5
3.	मध्यकालीन भारतीय मूर्तिकला एवं मन्दिर स्थापत्य	7

क्र.स. पाठ्यवस्तु अंकभार

इकाई–1 मध्यकालीन भारतीय चित्रकला 8.5

1. दक्खिनी चित्र शैली 1
   (i) ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
   (ii) दक्खिनी शैली की कलागत विशेषताएँ (अहमदनगर, बीजापुर, गोलकुण्डा)
   (iii) दक्खिनी चित्र शैली के प्रतिनिधि चित्रों का अध्ययन
2. मुगल चित्र शैली 2.5
   (i) उद्भव व विकास
   (ii) मुगल शैली की कलागत विशेषताएँ
   (iii) मुगलशैली के प्रतिनिधि चित्रों का अध्ययन
3. राजस्थानी चित्र शैली 3
   (i) उद्भव व विकास
   (ii) राजस्थान की उपशैलियों का कलागत अध्ययन, उपशैलियाँ–मेवाड़–उदयपुर–नाथद्वारा, मारवाड़–जोधपुर–बीकानेर, किशनगढ़, हाड़ौती–कोटा–बून्दी ढूढ़ाड़–जयपुर, अलवर, उनियारा
   (iii) राजस्थानी चित्र शैली के प्रतिनिधि चित्रों का कलागत अध्ययन
4. पहाड़ी चित्र शैली 2
   (i) उद्भव व विकास
   (ii) उपशैलियाँ (कांगड़ा–बसोहली)

(iii) पहाड़ी शैली के प्रतिनिधी चित्रों का कलागत अध्ययन

इकाई–2 आधुनिक भारतीय चित्रकला **8.5**

5. कम्पनी शैली एवं राजा रवि वर्मा 1.5
   (i) कम्पनी शैली–उद्भव, विकास एवं कलागत विशेषताएँ
   (ii) राजा रवि वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
   (iii) कम्पनी शैली और राजा रवि वर्मा के प्रतिनिधि चित्रों का अध्ययन
6. भारतीय पुनरूत्थानकालीन कला 3
   (i) बंगाल शैली उद्भव व विकास
   (ii) बंगाल शैली की कलागत विशेषताएँ
   (iii) बंगाल शैली के कला विचारक एवं प्रतिनिधि चित्रकार और उनके चित्रों का अध्ययन। आनन्द कैटिश कुमारस्वामी, ई.बी.हेवेल, रवीन्द्रनाथ टैगोर, अवनीन्द्रनाथ टैगोर, नन्दलाल बसु, अब्दुर्रहमान चुगतई, असित कुमार हाल्दार, यामिनी रॉय, व अमृता शेरगिल।
7. आधुनिक कला और कलाकार 2
   (i) प्रमुख कला समूह
   (कलकत्ता कला समूह, प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप,शिल्पीचक्र)
   (ii) प्रतिनिधी चित्रकार एवं उनके चित्रों का कलागत अध्ययन। के.के. हेब्बर, एन.एस.बेन्द्रे, बी.सी.सान्याल, जे स्वामीनाथन, के.जी.सुब्रमण्यम, ए.रामचन्द्रन
8. राजस्थान की आधुनिक कला 2
   (i) भूरसिंह शेखावत, रामगोपाल विजयवर्गीय, कृपालसिंह शेखावत, रत्नाकर विनायक साखलकर, बी.सी.गुई, देवकीनन्दन शर्मा, गोवर्धन लाल जोशी, पी.एन. चोयल, द्वारका प्रसाद शर्मा, राम जैसवाल व सुरेश शर्मा।
   (ii) राजस्थान की समकालीन कला का परिचय

इकाई–3 मध्यकालीन भारतीय मूर्तिकला एवं मन्दिर स्थापत्य **7**

9. मध्यकालीन भारतीय मूर्तिकला एवं मन्दिर स्थापत्य 2
   (i) एलोरा, एलिफेन्टा, महाबलीपुरम, कोणार्क, खजुराहो आदि मन्दिरों के मूर्ति शिल्प और चोलकालीन नटराज व अन्य धातु मूर्तिशिल्पों का कलागत अध्ययन।
10. राजस्थान की मूर्तिकला व मन्दिर स्थापत्य 1.5
    (i) देलवाड़ा, रणकपुर, किराडू, ओसियां, आभानेरी, जगत मन्दिर (उदयपुर), बाड़ोली (कोटा) आदि मन्दिरों के मूर्तिशिल्पों का कलागत अध्ययन।
11. आधुनिक भारतीय मूर्तिकला 2
    (i) रामकिंकर बैज, देवीप्रसाद राय चौधरी, शंखो चौधरी, धनराज भगत, सतीश गुजराल, हिम्मत शाह एवं मृणालिनी मुखर्जी।
12. राजस्थान की आधुनिक मूर्तिकला 1.5
    (i) उषा रानी हुजा, गोपी चन्द्र मिश्रा एवं अर्जुन प्रजापति
    (ii) राजस्थान की समकालीन मूर्तिकला का परिचय।

चित्रकला (प्रायोगिक)

प्रायोगिक खण्ड	अंक
खण्ड–अः प्राकृतिक (फल, फूल, सब्जी, इत्यादि) तथा वस्तु चित्रण (वृत्ताकार, घनाकार व बेलनाकार) का अध्ययन	25
खण्ड–बः चित्र संयोजन	25
• सत्रीय कार्य	20
कुल अंक	70

खण्ड अः प्राकृतिक तथा वस्तु चित्रण अध्ययन

कक्षा 11 में किए गए अभ्यासों के आधार पर तथा साथ में परदे की पृष्ठभूमि में दो या तीन वस्तुओं का एक निश्चित बिन्दु से पेंसिल माध्यम में प्रकाश व छाया सहित तथा रंगीन चित्रण

खण्ड बः चित्र संयोजन

दैनिक जीवन और प्रकृति के विषयों पर आधारित काल्पनिक चित्रों का जल–रंगो अथवा पोस्टर–रंगों में वर्ण–मान सहित सृजन।

• सत्रीय कार्य

एक फाइल प्रस्तुत करना, जिसमें निम्नलिखित रचनाएँ शामिल हों–

(क) सत्र के दौरान किसी भी माध्यम में सृजित प्रकृति तथा वस्तु–चित्रण (स्टिल लाइफ) अध्ययन के पाँच चयनित अभ्यास चित्रों में कम से कम दो वस्तु चित्रण के अभ्यास चित्र हों।

(ख) दैनिक जीवन और प्रकृति पर आधारित पाँच चयनित चित्र संयोजन (कम्पोजिशन)।

परीक्षार्थी द्वारा अध्ययन के दौरान निर्मित कृतियों को विषयाध्यापक से प्रमाणित करवाकर विद्यालय के प्राधिकारियों द्वारा यह प्रमाणित कराके मूल्यांकन के लिए परीक्षकों के सम्मुख प्रस्तुत किया जाए।

टिप्पणी : समय–सारिणी इस प्रकार बनाई जाए कि विद्यार्थियों को एक बार में कम से कम दो कालांश तक एक साथ निरंतर कार्य करने का अवसर मिले।

प्रायोगिक परीक्षा के मूल्यांकन के लिए दिशा निर्देश

1. अंक योजना :

खण्ड–अ : प्रकृति तथा वस्तु चित्रण (स्टिल लाइफ)	
(i) अंकन एवं संयोजन पक्ष	10
(ii) माध्यम/रंगों का प्रयोग	10
(iii) समग्र प्रभाव	5
	कुल 25 अंक
खण्ड–ब : चित्र संयोजन (कम्पोजिशन)	
(i) संयोजन–व्यवस्था, विषय पर बल सहित	10

(ii) माध्यम (रंगों) का प्रयोग	10
(iii) मौलिकता और समग्र प्रभाव	5
	कुल 25 अंक

सत्रीय कार्य 10 x 2 = 20

(i) किसी भी माध्यम में प्रकृति तथा वस्तु–अध्ययन के पाँच चयन किये हुए अभ्यास चित्र जिनमें कम से कम दो वस्तु चित्र (स्टिल लाइफ) हो।

(ii) दैनिक जीवन और प्रकृति पर आधारित तैयार किये गये पाँच चयनित चित्र संयोजन

टिप्पणी : सत्रीय कार्य का मूल्यांकन भी इसी आधार पर किया जाएगा

2. प्रश्नों का प्रारूप

खण्ड–अ : प्रकृति तथा वस्तु–चित्रण :

अपने सामने एक ड्राइंग बोर्ड पर व्यवस्थित वस्तु–समूह का रेखांकन और चित्रण एक स्थिर बिन्दु (जो आपको दिया गया है) से 1/4–इम्पीरियल (15''ग11'') आकार वाले एक ड्राइंग–कागज पर पेंसिल अथवा रंगों में चित्रण कीजिए। आपका चित्र कागज के अनुपातनुसार होना चाहिए। वस्तुओं को प्रकाश–छाया तथा प्रतिच्छाया, परछाई, सहित यथार्थवादी ढंग से चित्रित किया जाना चाहिए। इस अध्ययन में ड्राइंग बोर्ड को शामिल नहीं करना है।

टिप्पणी : परीक्षा हेतु वस्तुओं के समूह का चयन बाह्य और आंतरिक परीक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशानुसार परामर्श करके करना है। प्रकृति तथा वस्तु–चित्रण की वस्तुओं को परीक्षार्थियों के सम्मुख व्यवस्थित किया जाए।

खण्ड–ब : चित्र संयोजन :

1/4 इम्पीरियल आकार वाले ड्राइंग–कागज पर क्षैतिज अथवा ऊर्ध्वाधर दिशा में अपनी पसंद के किसी माध्यम (जल/पेस्टल/टेम्परा एक्रेलिक रंगों) में निम्नलिखित पांच विषयों में से किसी एक पर चित्र संयोजन कीजिए। आपका संयोजन मौलिक तथा प्रभावकारी होना चाहिए। सुव्यवस्थित रेखांकन, माध्यम (रंग आदि) के प्रभावोत्पादक प्रयोग, विषय वस्तु पर यथोचित बल तथा सम्पूर्ण स्थान के सदुपयोग करने को अधिक अंक दिये जाएंगे।

टिप्पणी : चित्र संयोजन के लिए किन्हीं पांच उपयुक्त विषयों का चयन/निर्धारण बाह्य तथा आंतरिक परीक्षक निर्देशानुसार संयुक्त रूप से करेंगे और भाग खण्ड–ब की परीक्षा के आरंभ होने से ठीक पहले यहां उनका उल्लेख करेंगे।

3. (अ) प्रकृति तथा वस्तु चित्रण के लिए वस्तुओं का चयन करने के बारे में अनुदेश

1. परीक्षक ऐसी दो या तीन उपयुक्त वस्तुओं का इस ढंग से चयन/निर्धारण करें कि वस्तुओं के इस समूह में प्राकृतिक तथा ज्यामितीय रूपाकार शामिल हो।

(i) प्राकृतिक रूप–बड़े आकार के बेलबूटे तथा फूल, फल एवं वनस्पतियाँ आदि।

(ii) लकड़ी/प्लास्टिक/कागज/धातु/मिट्टी आदि से बने ज्यामितीय रूप, जैसे घन, शंकु, समपार्श्व, बेलनाकार और वर्तुलाकार वस्तुएं।

(iii) अज्यामितीय रूप, जैसे–घरेलू बर्तन एवं दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुएं आदि।

2. सामान्यतः बड़े (उपयुक्त) आकार की वस्तुओं का चयन किया जाना चाहिए।

3. परीक्षा केन्द्र के स्थल तथा ऋतु के अनुसार प्रकृति से संबंधित एक फल इत्यादि अवश्य शामिल

किया जाएं। प्राकृतिक वस्तुओं की खरीद/व्यवस्था परीक्षा वाले दिन ही की जाए ताकि उनकी ताजगी बरकरार रहे।

4. चयन की गई वस्तुओं के रंगों तथा उनकी (टोन) तान के अनुरूप पृष्ठभूमि तथा अग्रभूमि के लिए अलग–अलग रंगों के दो कपड़ों को (एक गहरी रंगत में और दूसरा हल्की रंगत में) भी शामिल किया जाए।

(c) चित्र संयोजन के विषय–निर्धारण के लिए अनुदेश

1. परीक्षकों को चित्र–संयोजन के लिए पांच उपयुक्त विषयों का चयन/निर्धारण करना है।
2. प्रत्येक विषय इस प्रकार बनाया जाये कि परीक्षार्थियों को विषय का स्पष्ट बोध हो जाए और वे उनके निर्माण में अपनी कल्पना शक्ति का खुलकर प्रयोग कर सकें।
3. विषयों का चयन करने के लिए परीक्षक स्वतंत्र हैं परन्तु ये विषय कक्षा बारहवीं के स्तर और विद्यालय/परीक्षार्थियों के वातावरण के अनुसार होने चाहिए।

चित्र–संयोजन के विषयों के कुछ पहचान क्षेत्रों का उल्लेख नीचे किया गया है इनमें आवश्यकतानुसार कुछ अन्य क्षेत्रों का समावेश भी किया जा सकता है :

(i) परिवार, मित्रों तथा दैनिक जीवन के कार्यकलाप
(ii) पारिवारिक, व्यावसायियों के कार्यकलाप
(iii) खेल–कूद के कार्यकलाप
(iv) प्रकृति
(v) काल्पनिकता
(vi) राष्ट्रीय, धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा सामाजिक घटनाएं उत्सव एवं समारोह

टिप्पणी – समीपस्थ दृश्यजगत से किये गये रेखांकनों को चित्रों में रूपान्तरित करने के कौशल को विकसित किया जाये तथा कल्पना के आधार पर आकारों को नवीन अन्तराल व्यवस्था में पुनः सृजित करने का अभ्यास करवाया जाये, जैसे– गाते–नाचते, उत्सव मनाते हुए, पूजा करते हुए, कुएँ से पानी लाते हुए लोग। ऐसे विषयों को चित्रित करवाया जाये जिनसे विद्यार्थी का सीधा संबंध हो य जैसे– ग्रामीण परिवेश, उत्सव, मेला श्रम इत्यादि। तीन मानवाकृतियाँ आवश्यक रूप से हो।

4. सामान्य अनुदेश :

1. वस्तु समूह को 2ग्2 फीट के मॉडल स्टेण्ड पर रखा जाये। मॉडल स्टैण्ड न होने की स्थिति में स्टूल/ड्रॉइंग बोर्ड पर रखा जावे। पृष्ठभूमि में उपयुक्त रंग का कपड़ा अथवा कागज लगाया जावे। वस्तु समूह दृष्टि से ऊपर न हो। मॉडल स्टैण्ड अथवा स्टूल की ऊँचाई 50 सेमी. से अधिक न हो।
2. प्रायोगिक कार्य हेतु ड्रॉइंग शीट के साथ एक सादा कागज परीक्षार्थियों को दिया जायेगा।
3. खण्ड–'अ' व खण्ड 'ब' की प्रायोगिक परीक्षा एक ही दिन में 6 घटें में सम्पन्न करवाई जाए। व्यावहारिकता की दृष्टि से दोनों के मध्य 30 मिनिट का अन्तराल दिया जाए।
4. छात्रों को कला मेलों, चित्र प्रदर्शनियों (राज्य स्तरीय) का अवलोकन करवाया जावे एवं सत्र में एक बार मण्डल स्तर पर छात्र–छात्राओं के चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित करवायी जाए।

निर्धारित पुस्तक–

भारतीय कला–भाग–2 – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

गृह विज्ञान

विषय कोड–18

इस विषय में एक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं एक प्रायोगिक की परीक्षा होगी। दोनों में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

परीक्षा	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	योग	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	56	14	70	
प्रायोगिक	4.00	30	–	30	100

गृहविज्ञान सैद्धान्तिक

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंकभार
1.	मानव विकास एवं पारिवारिक सम्बंध	15
2.	पारिवारिक पोषण	20
3.	वस्त्र एवं परिधान	09
4.	गृह प्रबन्ध	09
6.	गृहविज्ञान प्रसार शिक्षा	03
	कुल	56

क्र.सं. इकाई अंकभार

1. I मानव विकास एवं पारिवारिक सम्बंध 15

(i) किशोरावस्था में विकास–I शारीरिक, गत्यात्मक एवं यौन विकास
(ii) किशोरावस्था में विकास–II सामाजिक, संवेगात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास
(iii) किशोरावस्था की समस्याएं और उनका प्रबन्धन।
(iv) कैरियर एवं वैवाहिक जीवन की तैयारी
(v) प्रजनन, स्वास्थ्य और यौन सम्बंधी रोग
(vi) व्यस्कावस्था एवं वृद्धावस्था
(vii) जनसंख्या नियन्त्रण
(viii) विशिष्ट बालक

2. II पारिवारिक पोषण 20

(i) आहार आयोजन
(ii) आहार आयोजन प्रक्रिया
(iii) शैशवावस्था में पोषण
(iv) बाल्यावस्था में पोषण

(v) किशोरावस्था में पोषण
(vi) व्यस्कावस्था में पोषण
(vii) वृद्वावस्था में पोषण
(viii) विशिष्ट अवस्था में पोषण– गर्भावस्था
(ix) विशिष्ट अवस्था में पोषण– धात्रीवस्था
(x) दस्त व ज्वर के लिए आहार आयोजन
(xi) भोज्य पदार्थो में मिलावट
(xii) सुरक्षित पेयजल व खाद्य स्वच्छता

3.	III	**वस्त्र एवं परिधान**	9

(i) वस्त्र का व्यक्तित्व से सम्बंध
(ii) वस्त्रों का चुनाव
(iii) वस्त्रों की सिलाई
(iv) तैयार परिधान
(v) धब्बे छुड़ाना
(vi) शोधक पदार्थ
(vii) वस्त्रों का संग्रहण

4.	IV	**गृह प्रबन्ध**	9

(i) पारिवारिक आय
(ii) घरेलू हिसाब–किताब
(iii) बचत एवं विनियोजन–I
(iv) बचत एवं विनियोजन–II
(v) उपभोक्ता की समस्याएं
(vi) उपभोक्ता संरक्षण एवं सहायता
(vii) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम
(viii) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986

5.	V	**गृहविज्ञान प्रसार शिक्षा**	3

गृहविज्ञान– पारिवारिक एवं व्यवसायिक शिक्षा

गृह विज्ञान प्रायोगिक

समय : 4 घन्टे **पूर्णांक : 30**

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र प्रायोगिक	अंक
1.	**मानव विकास एवं पारिवारिक सम्बंध**	**04**

(i) किशोरावस्था की शक्तियों व कमजोरियों को पहचानना एवं शक्तियों का अधिकतम उपयोग करना व कमजोरियों का सुधार करना।

एक किशोर/किशोरी की केस स्टडी (वृत अध्ययन) कर प्रतिवेदन तैयार करना।

(ii) वृद्धावस्था की समस्याओं व सुझावों की तालिका बनाएं।

2.	**पारिवारिक पोषण**	**08+02**

(i) किसी भी आयु वर्ग हेतु एक दिवस की आहार तालिका बनाना।

(ii) खाद्य पदार्थो में मिलावट की जांच करना।

3.	**वस्त्र एवं परिधान**	**05+02**

(i) एप्रिन व टांकों का निर्माण।

(ii) वस्त्र पर से धब्बे छुड़ाना।

(iii) वस्त्र शोधक बनाने की विधियां साबुन/डिटरजेंट पाउडर/तरल

4.	**गृह प्रबन्धन**	**02**

(i) किसी भी खाद्य वस्तु व सामग्री का लेबल तैयार करना व मानकीकरण करना।

(ii) बैंक से जमा निकासी के फार्म भरवाना

बैंक से खाता खुलवाने के फार्म भरवाना

रिकॉर्ड 05

मौखिक 02

निर्धारित पुस्तक :

गृह विज्ञान – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।

समाजशास्त्र
भारतीय समाज में परिवर्तन एवं चुनौतियाँ

विषय कोड–29

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

क.सं	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1	भारतीय समाज के संरचनात्मक, सांस्कृतिक पहलू एवं विविधता की चुनौतियां, धार्मिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, एवं राजनैतिक, विभिन्नता में एकता	08
2	जनसांख्यिकीय संरचना एवं भारतीय समाज ग्रामीण – नगरीय संलग्नता और विभाजन	08
3	सामाजिक असामनता एवं अपवर्जन के प्रतिरूप जाति पूर्वाग्रह, अनुसूचित जातियाँ, राजस्थान की 30 जनजातियाँ एवं अन्य पिछड़े वर्ग, महिला समानता का संघर्ष धार्मिक अल्पसख्यकों को संरक्षण, निःशक्तजनों की देखभाल	08
4	भारत में संरचनात्मक परिवर्तन परम्परा एवं आधुनिकता, औद्योगीकरण, नगरीकरण,	08
5	सांस्कृतिक परिवर्तन पाश्चात्करण, संस्कृतिकरण, धर्म निरपेक्षीकरण एवं उत्तर आधुनिकीकरण	08
6	ग्रामीण समाज के परिवर्तन के उपकरण पंचायती राज, राजनैतिक दल एवं दबाव समूह	08
7	नगरीय समाज में परिवर्तन विकास एवं चुनौतियाँ, आधारभूत संरचना, आवर्जन, नियोजन, आवास,	08
8	महिला एवं बाल श्रम के विविध आयाम राजस्थान में महिलाओं की स्थिति एवं सामाजिक चेतना राजस्थान में बालिका शिक्षा, बाल श्रम की समस्या एवं निराकरण	08
9	जनसम्पर्क संचार एवं सामाजिक परिवर्तन	08
10	सामाजिक आन्दोलन राजस्थान के किसान आन्दोलन (बिजोलिया), राजस्थान में जनजातियाँ आन्दोलन (भगत), राजस्थान में पर्यावरण आन्दोलन (खेजड़ली) एवं अन्य समाज सुधारक आन्दोलन	08

निर्धारित पुस्तक–

समाजशास्त्र – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।

दर्शनशास्त्र (कला वर्ग)

विषय कोड–28

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

परीक्षा	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	80	20	100

खण्ड (अ)

अंक

1. भारतीय दर्शन : **08**

(i) परिभाषा, स्वरूप एवं सामान्य विशेषताएं,

(ii) भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों का वर्गीकरण (नास्तिक एवं आस्तिक दर्शन एवं ईश्वरवादी एवं अनीश्वरवादी दर्शन)

(iii) चार्वाक दर्शन – जड़वाद

2. औपनिषदिक दर्शन : **08**

(i) उपनिषद्– पारिभाषिक स्वरूप एवं प्रमुख उपनिषद् (एकादश)

(ii) ब्रहम का स्वरुप, जीवात्मा का स्वरुप एवं अवस्थाएँ (जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति, तूरीय)

(iii) श्रीमद्भगवद्गीता – कर्मयोग, ज्ञानयोग एवं भक्तियोग

3. बौद्ध एवं जैन दर्शन : **08**

(i) बौद्ध दर्शन – चार आर्यसत्य एवं प्रतीत्यसमुत्पाद

(ii) जैन दर्शन– स्याद्वाद एवं अनेकान्तवाद

(iii) बौद्ध दर्शन एवं जैन दर्शन के नैतिक सिद्धांत (अष्टांगिक मार्ग–मध्यम प्रतिपदा पंचमहाव्रत, त्रिरत्न)

4. योग दर्शन एवं वेदान्त दर्शन : **08**

(i) योग दर्शन– योग की परिभाषा एवं अष्टांग योग

(ii) वेदान्त दर्शन – शंकराचार्य का अद्वैतवाद, ब्रहम एवं माया दर्शन

(iii) स्वामी विवेकानंद– व्यावहारिक वेदान्त की धारणा

5. पाश्चात्य दर्शन : **08**

(i) पाश्चात्य दर्शन का परिचय एवं दर्शनशास्त्र की शाखाएँ (तत्वमीमाँसा एवं ज्ञानमीमाँसा)

(ii) सुकरात एवं प्लेटो– सुकरात की दार्शनिक समस्या एवं पद्धति

प्लेटो– ज्ञानमीमाँसा, प्रत्यय सिद्धान्त

(iii) अरस्तु एवं डेकार्ट– अरस्तु का कारणता सिद्धान्त देकार्ट की पद्धति

खण्ड (ब)

6. धर्म की भारतीय अवधारणा : 08

(i) धर्म का अर्थ एवं स्वरुप

(ii) रिलिजन का अर्थ एवं स्वरुप, धर्म एवं रिलिजन में अंतर

(iii) इहलौकिकवाद (सेक्यूलेरिज्म) की परिभाषा, अर्थ एवं स्वरुप

7. हिन्दू, जैन एवं बौद्ध धर्म पंथः 08

(i) हिन्दू धर्म : हिन्दू धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

(ii) जैन धर्म : जैन धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

(iii) बौद्ध धर्म : बौद्ध धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

8. यहूदी, ईसाई एवं इस्लाम धर्म : 08

(i) यहूदी धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

(ii) ईसाई धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

(iii) इस्लाम धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

9. पारसी, सिख एवं ताओ धर्मपंथ 08

(i) पारसी धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

(ii) सिख धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

(iii) ताओ धर्मपंथ का सामान्य परिचय, विशेषताएँ

10. धर्मसहिष्णुता एवं सर्वधर्म समभाव : 08

(i) धर्मसहिष्णुता का अर्थ एवं स्वरूप

(ii) धर्मसमभाव का अर्थ एवं स्वरूप

(iii) धर्मसहिष्णुता एवं धर्मसमभाव में अंतर, विभिन्न धर्मपंथों में सार्वभौमिक जीवन दृष्टि

निर्धारित पुस्तक–

दर्शनशास्त्र – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर द्वारा प्रकाशित।

मनोविज्ञान

विषय कोड–29

इस विषय के दो प्रश्न पत्रों की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक की परीक्षा होगी। परीक्षार्थी को दोनों में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

परीक्षा	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक		पूर्णांक
		परीक्षा	सत्रांक	
सैद्धान्तिक	3.15	56	14	70
प्रायोगिक	4.00	30		30

मनोविज्ञान सैद्धान्तिक

क्र.सं.	पाठ्य वस्तु	अंकभार
1.	बुद्धि और अभिक्षमता	06
2.	स्व और व्यक्तित्व	06
3.	तनाव, मानवीय क्षमतायें और खुशहाली	06
4.	मनोवैज्ञानिक विकार	06
5.	चिकित्सात्मक उपागम एवं परामर्श	06
6.	अभिवृत्ति और सामाजिक संज्ञान	06
7.	समूह प्रक्रियाएँ एवं सामाजिक विकार	05
8.	मनोविज्ञान तथा जीवन	05
9.	व्यावहारिक मनोविज्ञान	05
10.	मनोविज्ञानिक कौशल विकास	05
	प्रायोगिक कार्य (मनोवैज्ञानिकपरीक्षण, केस प्रोफाइल)	

इकाई–1 बुद्धि और अभिक्षमता **06**

बुद्धिः परिभाषा और प्रकृति ; बुद्धि के सिद्वांतः स्पीयरमेन, गिलफोर्ड, केटेल एवं गार्डनर, बुद्धि का आंकलन, संवेगात्मक बुद्धिः अर्थ, अभिक्षमता ; प्रकृति एवं आंकलन।

इकाई–2 स्व और व्यक्तित्व **06**

स्वः अर्थ तथा स्व के पक्ष ; आत्मसम्मान , आत्मनियमन, व्यक्तित्व : अर्थ, प्रकार और निर्धारक ; व्यक्तित्व का आंकलन : आत्मप्रतिवेदनात्मक, मापक, व्यवहार विश्लेषण और प्रक्षेपी माप।

इकाई–3 तनाव, मानवीय क्षमतायें और खुशहाली **06**

तनाव : अर्थ एवं प्रकार ; तनाव का मनोवैज्ञानिक प्रकार्यो तथा स्वास्थ्य पर प्रभाव, तनाव का सामना करना, मानवीय क्षमता : अर्थ एवं प्रकार (संज्ञानात्मक, भावनात्मक एवं क्रियात्मक) स्वास्थ्य तथा खुशहाली : प्रस्तावना।

इकाई–4 मनोवैज्ञानिक विकार **06**

मनोवैज्ञानिक विकार : असामान्यता तथा मनोवैज्ञानिक विकारों का संप्रत्यय और अर्थ, असामान्य व्यवहार के कारक, प्रमुख मनोवैज्ञानिक विकार : दुश्चिता, शरीर प्रारुपी, वियोजनात्मक,मनोदशात्मक, मनोविदलता, व्यवहारात्मक, विकासात्मक तथा मादक द्रव्य दुरुपयोग विकार।

इकाई–5 चिकित्सात्मक उपागम एवं परामर्श **06**

मनोचिकित्सा : प्रकृति एवं प्रक्रिया ; चिकित्सात्मक संबंध की प्रकृति, मनोचिकित्सा के प्रकार : मनोगयात्मक, व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक, मानववादी वैकल्पिक चिकित्सा : योग, ध्यान।

इकाई–6 अभिवृत्ति तथा सामाजिक संज्ञान **06**

अभिवृत्ति : अभिवृत्ति की प्रकृति तथा घटक, अभिवृत्ति निर्माण तथा परिवर्तन, पूर्वाग्रह, रूढ़िवादिता तथा भेदभाव सामाजिक संज्ञान : अर्थ, छवि निर्माण, प्रसामाजिक व्यवहार।

इकाई–7 समूह प्रक्रियाएं और सामाजिक प्रभाव **05**

समूह : प्रकृति एवं समूहों का निर्माण, समूहों के प्रकार, सामाजिक प्रभाव : अनुरुपता, अनुपालना तथा आज्ञापालन, सहयोग और प्रतिस्पर्धा, समूह द्वंद : द्वंद के समाधान की युक्तियां।

इकाई–8 मनोविज्ञान तथा जीवन **05**

मानव : पर्यावरण संबंध, पर्यावरण का मानव व्यवहार पर प्रभाव : शोर, प्रदूषण, भीड़, प्राकृतिक आपदा , मैत्री व्यवहार उन्नयन।

सामाजिक मुद्दे : गरीबी, विभेदीकरण, आक्रामकता, हिंसा एवं शांति, जनसंचार का व्यवहार पर प्रभाव।

इकाई–9 व्यावहारिक मनोविज्ञान **05**

मनोविज्ञान की विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्तता : शिक्षा, सम्प्रेषण, संगठन एवं खेलकूद।

इकाई–10 मनोविज्ञानिक कौशल विकास **05**

परिचयः एक मनोवैज्ञानिक के रुप में प्रभावात्मक सामान्य कौशल (बौद्धिक एवं व्यक्तिगत कौशल), विभिन्नता के प्रति संवेदनशीलता

विशिष्ट कौशल : सम्प्रेषण कौशल, साक्षात्कार कौशल, परामर्श कौशल।

मनोविज्ञान : प्रायोगिक

1.	प्रायोगिक कार्य	15 अंक
2.	मौखिक परीक्षा	05 अंक
3.	आंतरिक मूल्यांकन	05 अंक
4.	प्रायोगिक कार्य	05 अंक
		कुल 30 अंक

– विद्यार्थियों को इस पाठ्यक्रम में सम्मिलित अध्यायों से सम्बन्धित पांच प्रायोगिक कार्य तथा एक प्रोजेक्ट /केस प्रोफाइल तैयार करना होगा।

सत्र के अन्तर्गत कोई पांच प्रयोग निम्नलिखित सूची से करने है। विद्यार्थियों को एक पूर्ण

प्रायोगिक रिकार्ड बनाना होगा जिसका मूल्यांकन अंतिम परीक्षा के समय बाह्य तथा आंतरिक परीक्षकों द्वारा किया जायेगा। परीक्षा में केवल एक प्रयोग को ही करना होगा।

1. बुद्धि परीक्षण
2. व्यक्तित्व परीक्षण
3. तनाव/खुशहाली मापन
4. दुश्चिंता/मनोविकार का मापन
5. किसी भी मनोचिकित्सा द्वारा उपचार
6. अभिवृत्ति मापन/ रूढ़िवादिता का मापन
7. द्वंद
8. आक्रामकता/जनसंचार
9. संचार : एक पक्षीय–द्विपक्षीय
10. किशोर/वृद्ध परामर्श

निर्धारित पुस्तक–

मनोविज्ञान – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।

शारीरिक शिक्षा

विषय कोड–60

इस विषय में एक प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं एक प्रायोगिक की परीक्षा होगी। जिसमें परीक्षार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

परीक्षा	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	योग	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	56	14	70	
प्रायोगिक	4.00	30	–	30	100

कसं.	इकाई का नाम	अंक
	भाग (क)	
(1)	**शारीरिक शिक्षा का विद्यालयी शिक्षा में महत्व**	
(i)	भूमिका	
(ii)	शारीरिक शिक्षा के उद्देश्य प्राप्ति के चरण	10
(iii)	शिक्षक की भूमिका	
(vi)	कार्य के आधार बिन्दु	
(v)	शारीरिक शिक्षा के प्रति भ्रामक धारणाएँ एवं वस्तु स्थिति	
(2)	**शारीरिक शिक्षा में व्यवसाय के आयाम**	
(i)	शारीरिक शिक्षा में व्यवसाय के विकल्प	
(ii)	जीविका उपार्जन के लिए मार्ग	08
(iii)	जीविका चयन के लिए अभिप्रेरणा और आत्म मूल्यांकन	
(3)	**शारीरिक शिक्षा एवं मनोविज्ञान**	
(i)	उपादेयता	
(ii)	व्यक्तित्व विकास	08
(iii)	प्रेरणा के प्रकार एवं तकनीक	
(iv)	मनोवैज्ञानिक लाभ	
(4)	**शारीरिक शिक्षा की सामाजिक सहभागिता**	
(i)	भूमिका	
(ii)	आवश्यकता	06
(iii)	क्रियाकलाप	
(iv)	सामाजिक योगदान	
(5)	**योग शिक्षा**	
(i)	अर्थ, महत्व एवं आवश्यकता	
(ii)	योग शिक्षा के उद्देश्य	11
(iii)	योग के अंग	
(iv)	यौगिक व्यायाम	

	भाग (ख)	
(6) (i) (ii) (iii) (iv)	**खेल प्रशिक्षण** अर्थ एवं महत्व शारीरिक क्षमता का विकास शारीरिक क्षमता के प्रकार आयाम शारीरिक क्षमता के विकास की विधियाँ	08
(7) (i) (ii) (iii) (iv)	**खेल :– पोषण एवं परीक्षण** अर्थ व महत्व संतुलित भोजन संतुलित भोजन के प्रभाव परीक्षण तालिका	05
		56
(8) (1) (2) (3)	भाग (ग) प्रयोगात्मक शारीरिक क्षमता जांच खेल कौशल मौखिक एवं अभिलेख संधारण	15+15=30

नोटः– सैद्धान्तिक के कालांश प्रति सप्ताह 7 व प्रायोगिक के 4 कालांश देय होंगे।

निर्धारित पुस्तक–

शारीरिक शिक्षा– माध्यमिक शिक्षा बोर्ड. राजस्थान. अजमेर।

लोक प्रशासन

विषय कोड–06

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3.15	80	20	100

इकाई	विषय वस्तु	अंकभार
1.	लोक प्रशासनः वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य लोक प्रशासन अध्ययन विषय के रूप में विकास	06
2.	प्रमुख सैद्धान्तिक विचारधाराएं वैज्ञानिक प्रबन्ध (टेलर, फेयोल) शास्त्रीय विचारधारा (गुलिक, उर्विक) अधिकारी तंत्र प्रतिमान (मेक्स वेबर), मानव सम्बन्ध विचारधारा (एल्टन मेयो)	10
3.	प्रशासनिक व्यवहार सम्प्रेषण, अभिप्रेरणा (मैस्लो एवं मेकग्रेगर), निर्णय–निर्माण (हर्बर्ट साइमन)	10
4.	तुलनात्मक लोक प्रशासन एवं विकास प्रशासन तुलनात्मक लोक प्रशासनः अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व, विकास प्रशासन एवं प्रशासनिक विकासः अर्थ, विशेषताएँ एवं अनर्तसंबंध	08
5.	भारतीय प्रशासनः सामान्य परिचय कौटिल्य के प्रशासनिक विचार, भारतीय प्रशासन का संवैधानिक परिप्रेक्ष्य एवं भारतीय प्रशासन की विशेषताएँ	08
6.	नीति निरूपण एवं नियोजन नीति आयोग एवं राष्ट्रीय विकास परिषदः संगठनात्मक स्वरूप एवं कार्य, राजस्थान में नियोजन विभाग एवं योजना मंडलः संगठन एवं भूमिका, जिला आयोजना समिति	10
7.	वित्तीय प्रशासन बजट का अर्थ एवं प्रकार, भारत में बजट का निर्माण एवं अनुमोदन प्रक्रिया, वित्तीय नियंत्रण	06
8.	कार्मिक प्रशासन उच्च लोक सेवाओं में भर्ती–प्रक्रिया एवं प्रशिक्षण, संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग, संगठनात्मक स्वरूप एवं भूमिका	08
9.	भारतीय प्रशासन : महत्वपूर्ण मुद्दे मंत्री–लोक सेवक संबंध, सामान्य, विशेषज्ञ संबंध, प्रशासनिक नैतिकता, प्रशासन में पारदर्शिता (नागरिक अधिकार पत्र, सूचना का अधिकार)	08

10. प्रशासनिक सुधार एवं नवाचार 06

भारत में प्रशासनिक सुधार : स्वतंत्रता पश्चात् के विभिन्न आयोगों एवं समितियों की जानकारी, राजस्थान में प्रशासनिक सुधार एवं नवाचारविकासः अर्थ, विशेषताएँ एवं अनर्तसंबंध

निर्धारित पुस्तक–

लोक प्रशासन – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

सूचना प्रौद्योगिकी और प्रोग्रामिंग–II

विषय कोड–03

इस विषय में एक प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं एक प्रायोगिक की परीक्षा होगी। जिसमें परीक्षार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

परीक्षा	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	योग	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	56	14	70	
प्रायोगिक	4.00	30	–	30	100

यूनिट–1: सी भाषा के उपयोग से डेटा स्ट्रक्चर: 20

डेटा संरचनाओं का परिचय: परिभाषा, डेटा संरचनाओं का वर्गीकरण। डेटा संरचनाओं पर क्रियाऐं। **सारणियों :– सारणी :** परिभाषा, प्रतिनिधित्व और विश्लेषण, एकल और बहुआयामी सारणी, पता गणना, सारणियों के उपयोग, सी में स्ट्रिंग ऑपरेशन। **डायनेमिक स्मृति आबंटन और संकेत:–** परिभाषा, पॉइंटर का घोषित और प्रारम्भिकरण करना। स्थिर और डायनेमिक स्मृति आबंटन का अर्थ। स्मृति आबंटन फंक्शन: malloc, calloc, free, and realloc. **रिकर्शन:–** परिभाषा, सी में रिकर्शन, रिकर्सिव प्रोग्राम–द्विपद गुणांक, फिबोनैकी, और GCD के प्रोग्राम। **सर्चिंग:–** मूलभूत खोज तकनीक, तकनीक खोज विधि: अनुक्रमिक खोज, बाइनरी सर्च। अनुक्रमिक और बाइनरी सर्च के बीच तुलना। **सार्टिंग की सामान्य पृष्ठभूमि:–** परिभाषा, विभिन्न प्रकार: बबल सॉर्ट, सिलेक्शन सॉर्ट, मर्ज सॉर्ट, इंसर्शन सॉर्ट, क्विक सॉर्ट। **स्टैक:–** परिभाषा, सारणी के द्वारा स्टैक को बनना, स्टैक पर क्रियाऐं: इन्फ़िक्स, प्रीफिक्स और पोस्टफिक्स नोटेशन। स्टैक के उपयोग। **क्यू:–** परिभाषा, सारणी के द्वारा क्यू को बनना। क्यू के प्रकार: सरल क्यू, सकुर्लर क्यू, क्यू पर क्रियाऐं। **लिंक्ड लिस्ट:–** परिभाषा, लिंक्ड लिस्ट के भाग, लिंक्ड लिस्ट बनना, लिंक्ड लिस्ट के फायदे और नुकसान, लिंक्ड लिस्ट के प्रकार: सिंगली लिंक्ड लिस्ट, डबली लिंक्ड लिस्ट।

यूनिट–2: ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग भाषा – C++: 16

C++ प्रोग्राम की संरचना, कम्पाइलिंग एवं लिंकिंग, टोकंस, की वर्ड आइडेंटिफायर, कांस्टेंट, बेसिक डेटा टाइप, यूजर डिफाइंड डेटा टाइप, डिराइव्ड डेटा टाइप, टाइप कम्पोबिलिटी, वेरिएबल की घोषणा, C++ में ऑपरेटर, स्कोप रिजोलूशन ऑपरेटर। एक्सप्रेशन और उनके प्रकार, स्पेशन असाइनमेंट एक्सप्रेशन, इम्प्लिसिट कन्वर्शन, ऑपरेटर ओवरलोडिंग, ऑपरेटर प्रिसीडेंस, कण्ट्रोल स्ट्रक्चर, C++ में फंक्शन: फंक्शन प्रोटोटाइप, कॉल बी रेफ़रेस, रिटर्न बाय रेफरेंस, फंक्शन ओवरलोडिंग, क्लासेज एण्ड ऑब्जेक्ट: क्लास परिभाषा, मेम्बर फंक्शन परिभाषा, इनलाइन फंक्शन, एक्सेस मोडिफायर, ऐरे, स्टेटिक डेटा मेम्बर, स्टेटिक

मेम्बर फंक्शन, फ्रेंड फंक्शन, फ्रेंड क्लास, रिटर्निंग ऑब्जेक्ट्स पॉईटंर टू मेम्बर। कन्स्ट्रक्टरः पैरामीटर कन्स्ट्रक्टर, एक क्लास में मल्टिपल कन्स्ट्रक्टर, कन्स्ट्रक्टर विद डिफाल्ट आर्गुमेंट, डायनामिक इनिशियालिज़ेशन ऑफ़ ऑब्जेक्ट कॉपी कन्स्ट्रक्टर, डेस्ट्रक्टर ऑपरेटर ओवरलोडिंग, युनेरीवर्चुअल वर्चुअल ऑपरेटर ओवरलोडिंग, बाइनरी ऑपरेटर ओवरलोडिंग, इन्हेरिटेंसः डीराइव्ड क्लासेज, सिंगल इन्हेरिटेंस, प्राइवेट मेम्बर इन्हेरिटेंस, मल्टीलेवल इन्हेरिटेंस, मल्टिपल इन्हेरिटेंस, हायरार्कीकल इन्हेरिटेंस, हाइब्रिड इन्हेरिटेंस, वर्चुअल वेब क्लासेज, एबस्ट्रेक्ट क्लासेज।

यूनिट–3: रिलेशन डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टमः **20**

मूल डेटाबेस अवधारणाओंः डेटाबेस अवधारणा का परिचय **डेटा मॉडलः–** E-R मॉडल E-R आरेखों पदानुक्रमित, नेटवर्किंग, संबंधपरक डेटा मॉडल, **आनुपातिक संरचना–** संबंधपरक डेटा बेस मॉडल के CODD की विशेषताओं के नियम– (संबंध) डेटा की कमीः referential विखंडन संबन्धी बाधाओं, निकाय संबंधी बाधाओं, बाधाओं की तरह प्राथमिक कुंजी प्रतिबंध, अद्वितीय, चेक बाधा मजबूत संस्था है कमजोर एंटिटी। सामान्यीकरणः परिचय– उद्देश्य का सामान्यीकरण परिभाषा के कार्यात्मक निर्भरता (एफडी) संबंधपरक डेटाबेस डिजाइन। **SQL परिचयः** SQL, डेटा डेफिनेशन भाषा (DDL), डेटा मैनीपुलेशन भाषा (DML), डेटा नियंत्रण भाषा (DCL), डेटा क्वेरी भाषा (DQL), और सभी आदेशों के लाभ। प्रारूप मॉडलः चरित्र, सांख्यिक दिनांक स्वरूप मॉडल। ऑपरेटरः तार्किक, मान, वाक्यविन्यास और क्वेरी व्यंजक ऑपरेटरों– सेट ऑपरेटरों। कार्यः चरित्र, अंकगणित, दिनांक और समय, समूह और विविध कार्यों, कमिट, रोलबैक, सवेपॉइंट क्वेरीज द्वारा समूह और खंड सम्मिलित हों द्वारा आदेश का उपयोगः एक एकल आदेश के परिणाम, परिणाम, समूहीकरण तालिका, क्वैरी में मिलती है, प्रकार की मिलती है, उप प्रश्नों में प्रवेश करें। PL\SQL: PL\SQL की मूल बातें, डेटा प्रकार, कंट्रोल स्ट्रक्चर, PL\SQL से डेटाबेस एक्सेस, डेटाबेस कनेक्शन, कर्सर प्रबंधन का परिचय, इम्प्लिसिट और एक्सप्लिसिट कर्सर, त्रुटि संभालना, पूर्व निर्धारित एवं प्रयोक्ता निर्धारित एक्सपेशन, प्रोसीजन एवं फंक्शन का परिचय उनका ओवरलोडिंग, डेटाबेस ट्रिगर का परिचय।

सूचना प्रौद्योगिकी और प्रोग्रामिंग (प्रायोगिक)

परीक्षक के लिए निर्देशः– प्रायोगिक परीक्षा के लिए कोई पूर्व निर्धारित प्रश्न पत्र मा.शि.बोर्ड के द्वारा नहीं दिया जाएगा। परीक्षक द्वारा प्रायोगिक परीक्षा विद्यालय में उपलब्ध कम्प्यूटर लैब की सुविधा के आधार, निम्नलिखित अंकभार योजना एवं निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी।

क्र.सं.	विषय	अंक
1.	डाटा स्ट्रक्चर के प्रोग्राम,	6
2.	C++ के प्रोग्राम	6
3.	DBMS के प्रोग्राम	8
4.	फाइल	5
5.	मौखिक परीक्षा	5

विस्तृत विवरणः–

1. C भाषा के द्वारा डाटा स्ट्रक्चरः– सी भाषा का उपयोग करते हुए निम्नलिखित डाटा स्ट्रक्चर एवं उनके मूल आपरेशन्स के प्रोग्राम लिखिए।
   (क) ऐरे (ख) लिंक्ड लिस्ट
   (ग) स्टैक (घ) क्यू
2. oop भाषा (C++) भाषा का उपयोग करते हुए निम्नलिखित oop अवधारणाओं के प्रोग्राम लिखिए।
   (क) क्लास एवं ऑब्जेक्ट (ख) इनहेरिटेन्स
   (ग) पोलिमोरफिज्म (घ) डाटा हाईड्रिंग (ड.) डाटा एब्सट्रक्शन
3. RDBMS:- DDL, DML और DCL से सम्बन्धित सभी कमांडस My SQL का उपयोग करते हुए लिखिए।
4. कोई DBMS का एक प्रोजेक्ट चुनिए उसका E-R आरेख बनाइए एवं उसको टेबलस में बदलिए और इसके ऊपर कुछ SQL क्वेरीज लिखिए।

नोटः– प्रायोगिक परीक्षा की अंकभार योजना निम्न प्रकार से होगी।

1. प्रत्येक छात्र सभी यूनिट से सम्बन्धित प्रोग्राम्स की एक फाईल बनाएगें। (5 अंक)
2. अन्तिम प्रायोगिक परीक्षा में प्रत्येक छात्र को यूनिट–1 से 6 अंक, या यूनिट–2 से 6 अंक और यूनिट–3 से 8 अंक प्रोग्राम कम्प्यूटर पर परफोम करने के लिए दिया जाएगा। (20 अंक)
3. प्रत्येक छात्र की सभी यूनिट की मौखिक परीक्षा परीक्षक द्वारा ली जाएगी। (5 अंक)

निर्धारित पुस्तक–

सूचना प्रौद्योगिकी और प्रोग्रामिंग–II – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर।

पर्यावरण विज्ञान

विषय कोड–61

क्र.सं.	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक	अंकभार
सैद्धांतिक	3.15	56	14	70	
प्रायोगिक	4.00	30	—	30	100

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 56**

इकाई–1

पर्यावरणीय प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य– 14

वायु प्रदूषण के स्रोत एवं प्रकार, वायु की गुणवत्ता, स्मोग, वायु प्रदूषकों का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव, इनडोर प्रदूषण, जल प्रदूषण के स्रोत, जल गुणवत्ता मापक, कार्बनिक अपशिष्ट, अतिपोषकता, जलीय प्रदूषकों का स्वास्थ्य पर प्रभाव (नाइट्रेट फ्लूराइड, आरसैनिक, कैडमियम, मर्करी, पीड़कनाशी) जैव सूचक, ई.टी.पी., मृदा प्रदूषण, शोर प्रदूषण, रेडियोधर्मी और तापीय प्रदूषण, वायु, जल, मृदा तथा ध्वनि प्रदूषण का नियंत्रण तथा मापन, वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दे, वैश्विक ताप वृद्धि, ओजोन क्षय, अम्लीय वर्षा।

इकाई–2

हरित प्रौद्योगिकी– 10

हरित प्रौद्योगिकी के सम्प्रत्यय, हरित आर्थिकी, व्यक्तिगत और सामुदायिक भागीदारी, जैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट का लघुत्तरीय विघटन, ऊर्जा संरक्षण, लोक यातायात के साधनों पर बल। पवन चक्की, सौलर पैनल, हरित भवन, पर्यावरणीय प्रमाणिकता, हरित पट्टी।

इकाई–3 10

पर्यावरणीय नियम एवं अन्तर्राष्ट्रीय घोषणाएँ– 48 A–एक्ट (पर्यावरण की सुरक्षा एवं विकास, वन एवं वन्य जीव संरक्षण), 51 A–एक्ट (मूलभूत कर्तव्य), वन्य जीव संरक्षण एक्ट–1972, जल एक्ट–1974, वायु एक्ट–1981, वन संरक्षण अधिनियम–1980, पर्यावरणीय सुरक्षा अधिनियम– 1986, शोर प्रदूषण अधिनियम–2000, राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल अधिनियम–2010, स्टॉकहोम सम्मेलन–1972, वी.एन. सम्मेलन–1992, मान्ट्रियल प्रोटोकोल–1987, क्योटो प्रोटोकोल–1998

इकाई–4

पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी – 11

अपशिष्ट जल उपचार– वायवीय और अवायवीय प्रक्रिया, ठोस अपशिष्ट स्रोत, उपचार एवं प्रबंधन, कम्पोस्ट, कृमि संवर्धन। जीनोबायोटिक्स, तेल प्रदूषण, अपमार्जक, पीड़कनाशी विघटन, समन्वित पीड़क प्रबंधन, पर्यावरण में आनुवांशिक रुपान्तरित जीव।

इकाई–5

पर्यावरण और समाज – 11

धान्य संसाधन एवं विकास, शहरीकरण और पर्यावरण, पर्यावरण पर औद्योगिकीकरण का प्रभाव, पर्यावरणीय शिक्षा, जागरुकता, पर्यावरणीय सुरक्षा हेतु सामुदायिक भागीदारी : चिपको आन्दोलन, आपदाएँ, भूस्खलन (भूकम्प, ज्वालामुखी, चक्रवात, सुनामी, बाढ़, आग, नाभिकीय, आपदा प्रबन्धन, वर्षाजल संरक्षण, बंजर भूमि सुधार)

पर्यावरण विज्ञान प्रायोगिक

कक्षा—12

समय : 4 घण्टे **पूर्णांक—30**

1 प्रमुख कार्य

अ. (i) प्रदूषण का प्रभाव —भारी धातुओं का बीजों के अंकुरण पर प्रभाव	4
(ii) जल परीक्षण — धूलिकण धारण क्षमता (Dust Retaining Capacity) : विभिन्न पादपों के पर्णों की	4
ब. (i) पादप परीक्षण — वर्णक विश्लेषण (Pigment Analysis)	3
(ii) विभिन्न स्थानों पर ध्वनि प्रदूषण का मापन	3

2. गोण कार्य

(i) यातायात वाहनों द्वारा प्रदूषण का अध्ययन	2
अथवा	
केंचुआ खाद (Vermiculture) की विधि व अध्ययन।	
(ii) ठोस कचरा प्रबंधन की विधियों का अध्ययन	2
अथवा	
हरित प्रौद्योगिकी (पवन चक्की, सोलर पेनल, सोलर चूल्हा आदि) का अध्ययन	
3. प्रोजेक्ट/सर्वेक्षण कार्य	3
4. प्रादर्श पहचान	5
5. प्रायोगिक अभिलेख	2
6. मौखिक परीक्षा	2

निर्धारित पुस्तक –

1. **पर्यावरण विज्ञान** – माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा प्रकाशित